राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 22 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-213 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभ आगमन आज, खुशियां लेकर आएंगी मां जगदम्बा

शक्ति उपासना के साथ आज से लागू होंगी जीएसटी की नई दरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। शक्ति उपासना का पर्व शारदीय नवरात्रि की शुरुआत कल 22 सितंबर से शुरू होगी। इसके साथ ही देश में कल सोमवार से जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत भी होगी। इस साल नवरात्रि 9 नहीं, 10 दिनों की है। 1 अक्टूबर को महानवमी है और 2 तारीख को विजयादशमी मनाई जाएगी। ये उत्सव सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य से नजरिए से भी बहुत खास है। जहां एक ओर भक्त देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करते हैं और दूसरी ओर व्रत-उपवास के माध्यम से शरीर के पाचन तंत्र को विश्राम देते हैं, मंत्र-जप करके मन के नकारात्मक विचार दूर करते हैं, जिससे मन शांत होता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवरात्रि के समय में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं। हर दिन देवी के एक विशेष रूप की पूजा से भक्त के भीतर की नकारात्मकता दूर होती है और जीवन में सकारात्मकता आती है। हिन्दी पंचांग के मुताबिक, एक साल में चार बार नवरात्रि मनाई जाती है, चैत्र, आषाढ़, अश्विन और माघ मास में। इनमें से चैत्र और अश्विन की नवरात्रियां सामान्य (प्रकट) होती हैं, जबकि आषाढ़ और माघ की नवरात्रियों को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है, जो तांत्रिक साधनाओं और आध्यात्मिक प्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। नवरात्रि ऋतुओं के संधिकाल में आती है। संधिकाल यानी वह समय, जब एक ऋतु समाप्त होकर दूसरी ऋतु शुरु होती है। ऋतुओं का ये संधिकाल न केवल पर्यावरण में बदलाव लाता है। बल्कि हमारे शरीर और मन पर भी प्रभाव डालता है। ऐसे समय में उपवास, ध्यान से शरीर और मन को संतुलित करना जरूरी है।

प्रथम शैलपुत्री

नवरात्रि उत्सव के दौरान मां दुर्गा के नौ विभिन्न रूपों का सम्मान एवं पूजा की जाती है। जिसे नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। माँ दुर्गा का पहला ईश्वरीय स्वरूप शैलपुत्री है। शैल का अर्थ है शिखर शास्त्रों में शैलपुत्री को पर्वत (शिखर) की बेटी के नाम से जाना जाता है।

देश भर में आज से जीएसटी बचत उत्सव

- मोदी बोले-केवल वही खरीदें जिसमें देश का पसीना हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम रविवार को संबोधन दिया। उन्होंने कहा- 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो जाएगा। इसका फायदा सभी वर्गों को होगा। अपने 20 मिनट के संबोधन में उन्होंने जनता से अपील की कि वही सामान खरीदें जिसे बनाने में देशवासियों का पसीना लगा हो। साथ ही उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि स्वदेशी के अभियान के साथ मैन्यूफैक्चरिंग को गति दें। निवेश के लिए माहौल बनाएं। केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढ़ेंगे तभी सपना पूरा होगा। जीएसटी पर नवरात्रि के पहले दिन से देश आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा कदम उठा रहा है। कल 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी लागू हो जाएंगे। एक तरह से कल से देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू होने जा रहा है। जीएसटी उत्सव में आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पंसद की चीजें खरीद पाएंगे। 2014 में जब देश ने मुझे पीएम बनाया। तब लाखों कंपनियों को अलग-अलग तरह के टैक्स के जाल से परेशानी होती थी। सामान को एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचने के बीच जो खर्च बढ़ता था, वो गरीब उठाता था। देश को यहां से निकालना बहुत जरूरी था। जब आपने हमें 2014 में अवसर दिया तो हमने जीएसटी को प्राथमिकता बनाया। हमने स्टेकहोल्डर, राज्यों से बात की।

समुद्र में बढ़ेगी ताकत

पैदा होंगे दो करोड़ रोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से टैरिफ और एच-1 बी वीजा की चुनौती के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्री शक्ति बढ़ाने और शिप बिल्डिंग सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के केलिए तीन बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। पीएम मोदी ने

- पीएम मोदी ने किया तीन बड़ी योजनाओं का ऐलान

शनिवार को अन्य देशों पर भारत की निर्भरता को उसका मुख्य दुश्मन बताया और आत्मनिर्भरता के मूल मंत्र पर जोर देते हुए कहा कि चिप हो या शिप...हमें भारत में ही बनाने होंगे। वह गुजरात में भावनगर के गांधी मैदान में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने कुल 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने शिप बिल्डिंग सेक्टर के लिए 70 हजार करोड़ की तीन योजनाओं की घोषणा की है। शिपबिल्डिंग और समुद्री जहाज की ओनरशिप के मामले में अभी भारत 16वें स्थान पर है। भारत के पास जितनी भी शिप हैं उनमें से केवल सात फीसदी ही भारत में बनी हैं। आंकड़ों के मुताबिक भारतीय जहाजों की संख्या में तेजी से कमी आई है। ऐसे में भविष्य के लिहाज से तैयार रहने के लिए ये तीनों योजनाएं शुरू की जाएंगी। भारत के नौवहन क्षेत्र को दोषपूर्ण नीतियों के कारण हुए नुकसान का एक प्रमुख उदाहरण बताते हुए मोदी ने कहा कि भारत ऐतिहासिक रूप से एक बहुत ही जीवंत जहाज निर्माण उद्योग रहा है। उन्होंने कहा,भारत के तटीय राज्यों में निर्मित जहाज कभी घरेलू और वैश्विक व्यापार को गति प्रदान करते थे। पचास साल पहले भी, भारत घरेलू स्तर पर निर्मित जहाजों का इस्तेमाल करता था, और उसका 40 प्रतिशत से ज्यादा आयात-निर्यात इन्हीं के जरिए होता था। मोदी ने कहा, 50 साल पहले तक हमारा व्यापार 40 प्रतिशत भारत में बने जहाजों से होता था, लेकिन अब यह घटकर मात्र पांच प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि भारत विदेशी नौवहन कंपनियों को उनकी सेवाओं के लिए हर साल 75 अरब अमेरिकी डॉलर या लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करता है।

व्यापार-कारोबार को सरल बनाया

देश के सभी प्रमुख बंदरगाहों को बहुविध दस्तावेजों और खंडित प्रक्रियाओं से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा, 'एक राष्ट्र, एक दस्तावेज' और 'एक राष्ट्र, एक बंदरगाह' प्रक्रिया के कार्यान्वयन से व्यापार-कारोबार और सरल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में कई सुधार शुरू हुए हैं और पांच कानूनों को नए रूप में पेश किया गया है।

गुवाहाटी पहुंचा गायक जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर

- एयरपोर्ट से घर तक जन सैलाब, करना पड़ा लाठी चार्ज

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर शनिवार आधी रात को सिंगापुर से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। जुबिन की शुक्रवार को सिंगापुर में बिना जीवनरक्षक जैकेट के समुद्र में तैरते समय मौत हो गई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा खुद पार्थिव शरीर को गुवाहाटी ले जाने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। उनके साथ केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा और राष्ट्रीय राजधानी में तैनात असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

वायनाड में संकट में कांग्रेस, कार्यकर्ता हुए नाराज

प्रियंका गांधी के कार्यक्रमों से बनाई दूरी, मुश्किल में पार्टी

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का 12-दिन का वायनाड दौरा लगातार चर्चा में है। खास बात यह है कि इस दौरान न तो भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम हुए और न ही स्थानीय कांग्रेस इकाई उनकी गतिविधियों से जुड़ी दिखी। शुक्रवार को इस दौरे में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता विपक्ष राहुल गांधी भी उनसे जुड़ गए। प्रियंका 11 सितंबर से अपने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में हैं और 22 सितंबर तक यहां रहने वाली हैं लेकिन उनकी अधिकांश मुलाकातें और कार्यक्रम पार्टी संरचना से बाहर हैं। वायनाड जिला कांग्रेस प्रमुख एन डी अप्पाचन ने कहा, हमें उनके कार्यक्रमों की जानकारी नहीं दी जाती। सब कुछ उनके दफ्तर से तय होता है। वह स्थानीय राजनीति में शामिल नहीं होना चाहतीं। कांग्रेस सूत्रों ने स्वीकार किया कि प्रियंका का यह दौरा समय के लिहाज से सही नहीं है, क्योंकि विधानसभा का सत्र चल रहा है। वायनाड की सात विधानसभा सीटों में से पांच कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ के पास हैं। विपक्ष के लिए यह सत्र सरकार पर दबाव बनाने का अवसर है, ऐसे में स्थानीय नेताओं का ध्यान वायनाड पर बंटना पार्टी के लिए असुविधाजनक माना जा रहा है। पिछले एक हफ्ते में प्रियंका ने कई धार्मिक नेताओं, लेखकों, भू-संरक्षक चेरुवायल रामन जैसे पद्मश्री विजेताओं और भूस्खलन पीड़ितों से मुलाकात की।

देश की करोड़ों मां का अपमान किया गया जवाब जनता देगी

- गिरिराज सिंह बोले-तेजस्वी के मंच से पीएम की मां को गाली दी गई

बेगूसराय (एजेंसी)। वैशाली के महुआ में बिहार अधिकार यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव की मौजूदगी में पीएम नरेंद्र मोदी की मां को गाली दी गई। काफी देर तक समर्थक अपशब्द कहते रहे। इस दौरान तेजस्वी अपना भाषण देते रहे। जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस

मामले पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने निशाना साधा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि ये लोग सुधरने वाले नहीं हैं। बिहार और देश की करोड़ों मां का अपमान किया गया है, जिसका जवाब जनता देगी। हम लालू जी का जंगल राज कहते हैं तो बुरा मान जाते हैं। हमारे प्रधानमंत्री को लालू के राजकुमार तेजस्वी यादव के मंच से गालियां दी जाती है। आप लोग सुधरने वाले नहीं हैं। जनता विधानसभा के चुनाव में जवाब देगी। चाल, चरित्र और चेहरा यह देखकर स्पष्ट है कि तुम लालू प्रसाद यादव के ही वारिस हो।

राहुल की अपील बेअसर बीजेपी के साथ ही हैं युवा

- दिल्ली के बाद हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में भी एबीवीपी का कब्जा

हैदराबाद (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सभी प्रमुख पदों

पर जीत दर्ज की है। लंबे समय से वामपंथी और दलित छात्र संगठनों के प्रभाव में रही यूनिवर्सिटी में यह नतीजे एबीवीपी के लिए ऐतिहासिक माने जा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जेन-जेड से सड़क पर उतरने की अपील की थी लेकिन युवा बीजेपी के ही साथ हैं। एबीवीपी पैनल से शिवा पालेपू अध्यक्ष चुने गए हैं।

बिहार में अब वकीलों को हर महीने मिलेंगे 5000 रुपए

चुनाव से पहले नीतिश सरकार का एक और बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने वकीलों को बड़ी सौगात दी है। राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी है। इसके तहत बिहार में अब वकीलों को 5000 रुपया स्टाइपेंड दिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनडीए सरकार ने 1 जनवरी 2024 से नामांकित सभी नये अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाने वाले प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, नये वकीलों को तीन साल तक मिलेगा प्रतिमाह 5000 रुपये! एनडीए सरकार ने 1 जनवरी 2024 से नामांकित सभी नये अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाने वाले प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इसका भुगतान बिहार राज्य बार काउंसिल के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य के अधिवक्ता संघों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उन्हें ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को सहायता के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

विकास मित्रों को भी मिला बड़ा तोहफा

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने रविवार को ही बिहार में विकास मित्र को बड़ी सौगात दिए जाने का ऐलान किया था। सीएम नीतिश कुमार ने बताया था बिहार महादलित विकास मिशन के अन्तर्गत कार्यरत प्रत्येक विकास मित्र को टैबलेट क्रय हेतु एकमुश्त 25 हजार रुपए की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ताकि उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के डाटा संधारण एवं अन्य कामकाज में सुविधा हो सके। इसके साथ ही विकास मित्रों का परिवहन भत्ता 1900 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 2500 रुपए प्रतिमाह एवं स्टेशनरी भत्ता 900 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे उन्हें क्षेत्र भ्रमण के साथ-साथ दस्तावेजों के संग्रहण में सुविधा होगी।

कर्नाटक के फेमस मंदिरों में बढ़ गया सेवा शुल्क

- सिद्धारमैया सरकार ने 14 मंदिरों में बढ़ाया शुल्क,भड़की बीजेपी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले 14 प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए सर्विस फीस में वृद्धि कर दी है। कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार के इस फैसले पर घमासान शुरू हो गया है। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने सिद्धारमैया पर राज्य में हिंदू मंदिरों के लिए बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया है। मुजराई विभाग ने एक आदेश के जरिए कहा कि 14 मंदिरों में सेवा शुल्क में बढ़ोतरी 1 अक्टूबर से लागू होगी।

भारत-यूएस ट्रेड डील पर फिर संकट के बादल

अब ट्रंप की एच-1 बी वीजा नीति बनेगी बाधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए फैसले के तहत एच-1बी वीजा पर सालाना 1 लाख डॉलर यानी कि करीब 90 लाख रुपये की भारी-भरकम फीस लगाए जाने से भारतीय आईटी पेशेवरों और कंपनियों को गहरा झटका लगा है। औसतन 66 हजार डॉलर वार्षिक कमाने वाले वीजा धारकों के लिए यह शुल्क कार्यक्रम को लगभग ठप कर देने जैसा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम न केवल भारतीय प्रवासी समुदाय के हितों को चोट पहुंचाता है, बल्कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं पर भी गहरी छाया डालता है। भारत की आईटी कंपनियों और पेशेवरों के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है। एच-1बी वीजा के जरिए हर साल बड़ी संख्या में भारतीय विशेषज्ञ अमेरिकी कंपनियों में काम करते हैं। लेकिन नई शर्तें इस अवसर को सीमित कर देंगी। नासकॉम ने चेतावनी दी है कि इससे अमेरिकी नवाचार तंत्र और रोजगार बाजार पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत पहले से ही अमेरिका को लेकर सर्विस सेक्टर में अधिक पहुंच की मांग कर रहा था लेकिन अब, जब यह फैसला वार्ता के संवेदनशील दौर में आया है, तो दोनों देशों के बीच बढ़ती दूरी व्यापार समझौते की

संभावनाओं को कमजोर कर सकती है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने कहा कि अमेरिका अपने ग्रैजुएट को प्रशिक्षित करना चाहता है और विदेशी कर्मचारियों को नौकरियों पर लाने की प्रवृत्ति रोकनी होगी। वाइट हाउस का तर्क है कि एच-1बी कार्यक्रम के दुरुपयोग से अमेरिकी युवाओं का विज्ञान और तकनीक में रुचि लेना घट रहा है, जिससे अमेरिका की नेतृत्व क्षमता खतरे में पड़ सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में सर्विस सेक्टर का योगदान लगभग 55 फीसदी है और अमेरिका इसकी सबसे बड़ी मंजिल है। अगर अमेरिकी बाजार में भारतीय सेवाओं की पहुंच घटती है, तो इसका असर लाखों नौकरियों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की रणनीति अपनानी होगी, ताकि एक ही देश पर निर्भरता कम हो। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के तहत मोड 4 सेवाओं के आदान-प्रदान से जुड़ा है, जिसमें किसी सदस्य देश के लोग दूसरे देश जाकर सेवाएं प्रदान करते हैं। भारत लंबे समय से मोड 4 के तहत अधिक अवसर चाहता रहा है लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों की सख्ती से भारतीय पेशेवरों की राह कठिन हो गई है। इसके अलावा, मोड 1 यानी क्रॉस बॉर्डर सप्लाई, जहां सेवाएं बिना शारीरिक उपस्थिति के एक देश से दूसरे देश में पहुंचाई जाती हैं, तेजी से बढ़ता क्षेत्र है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शारदीय नवरात्रि 2025 - गज पर सवार होके आजा शेरांवालिएं - शेरावालिएं मां ज्योतावालिएं

(लेखक -किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत आध्यात्मिक, आस्था का प्रतीक रहा है, जो हजारों वर्षों पूर्व के इतिहास में दर्ज है,जिसे हम कहानियों मान्यताओं के रूप में अपने पूर्वजों, पूर्वज पीडियों और वर्तमान में बड़े बुजुर्गों से सुनते आ रहे हैं।भारत एक सर्वधर्म धर्मनिरपेक्ष देश है जहां हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सहित अनेकों जातियों प्रजातियों उपजातियों द्वारा अपने-अपने स्तर व मान्यताओं के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। किसी को कोई पाबंदी नहीं है, यही भारतीय संविधान की खूबसूरती है,यह हम आज इसलिए कह रहे हैं,क्योंकि 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक शुभ नवरात्रा दिवस हैं जो प्रतिवर्ष सितंबर-अक्टूबर महीने की भिन्न-भिन्न तिथियों में मनाए जाते हैं। ज्योतिषीय गणना में कभी- कभी तिथियों की वृद्धि या क्षय होता है। 2025 में चतुर्थी तिथि दो बार आ रही है,जिसके कारण यहनवरात्रि 10 दिन की मानी जाएगी। शास्त्रों के अनुसार इस स्थिति में पूजा-विधान में किसी प्रकार की कमी नहीं होती,बल्कि इसे और अधिक शुभ और मंगलकारी माना जाता है। भक्तों के लिए यह अतिरिक्त दिन साधना और देवी उपासना का अवसर है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हुँ कि भारतीय संस्कृति में नवरात्रि केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आध्यात्मिक साधना, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का विराट पर्व है।शारदीय नवरात्रि वर्ष में आने वाली चार नवरात्रियों में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस बार 2025 की शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर, सोमवार से प्रारंभ हो रही है और 1 अक्टूबर तक चलेगी।सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस बार नवरात्रि 9 नहीं बल्कि 10 दिनों की होगी, क्योंकि चतुर्थी तिथि की वृद्धि (अधिमास) के कारण एक अतिरिक्त दिन जुड़ रहा है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर पृथ्वी पर आ रही हैं, जो समृद्धि, शांति और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में देवी का हाथी पर आगमन कृषि समृद्धि, वर्षा की प्रचुरता और सामाजिक संतुलन का द्योतक है।यह किसी एक राज्य में नहीं बल्कि अनेक राज्यों में गहरी आस्था के साथ मनाया जाता है। इस अवधि में कठोर व्रत रखा जाता है अपनी- अपनी मान्यता सार्थकता के अनुसार- चप्पल नहीं पहनना, बाल शेविंग नहीं बनाना, नीचे धरती पर सोना, ब्रह्मचर्य रहना मौन धारण करना सहित अपनी शक्ति के अनुसार अनेक प्रकारों की के बातों से दूर रहने का पालन अपनी मनोकामना पूरा करने, फल की चाहना के लिए मां दुर्गा काली से कामना करते हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार मां दुर्गा गज यानें हाथी पर विराजमान होकर आ रही है।कुछ वर्षा साथ सुख शांतिसमृद्धि लेकर व विसर्जन के दौरान भी वर्षा का योग है। चूंकि इस वर्ष 9 के स्थान पर 10 दिन की नवरात्रा विशेष महत्वपूर्ण योग लेकर आई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शारदीय नवरात्रि 2025-गज पर सवार होके आजा शेरांवालिएं-शेरावालिएं मां ज्योतावालि एं नवरात्रि अब केवल भारत का त्योहार नहीं रहा, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया है। शारदीय नवरात्रि पर्व याद दिलाता है कि महिला केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज की रक्षक और ऊर्जा का स्रोत भी है।

साथियों बात अगर हम इस बार 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक माता की सवारी और उसके महत्व की करें तो,इसबारशारदीय नवरात्रि की शुरुआत सोमवार से हो रही है और जब सोमवार के दिन से नवरात्रि शुरू होती है तो माता का वाहन हाथी होता है। हाथी पर सवार होकर माता का आगमन अधिक वर्षा उत्सव कष्टों से मुक्ति,सुख समृद्धि का संकेत देता है। वैसे तो अलग- अलग वार याने दिन के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा के वाहन डोली, नाव, घोड़ा, भैंसा, मनुष्य व हाथी होते हैं, मान्यता के अनुसार यदि नवरात्रि सोमवार या रविवार से शुरू हो रही है तो मां दुर्गा का वाहन हाथी होता है, जो अधिक वर्षा के संकेत देता है। वहीं यदि नवरात्रि मंगलवार और शनिवार शुरू होती है, तो मां का वाहन घोड़ा होता है, जो सत्ता परिवर्तन का संकेत देता है। इसके अलावा गुरुवार याशुक्रवार से शुरू होने पर मां दुर्गा डोली में बैठकर आती हैं जो रक्तपात, तांडव, जन-धन हानि का संकेत बताता है। वहीं बुधवार के दिन से नवरात्रि की शुरुआत होती है, तो मां नाव पर सवार होकर आती हैं। नाव पर सवार माता का आगमन शुभ होता है। अगर नवरात्रि का समापन रविवार और सोमवार के दिन हो रहा है, तो मां दुर्गा भैंसे पर सवार होकर जाती हैं, जिसे शुभ नहीं माना जाता है। इसका मतलब होता है कि देश में शोक और रोग बढ़ेंगे।वहीं शनिवार और मंगलवार को नवरात्रि का समापन हो तो मां जगदंबे मुर्गे पर सवार होकर जाती हैं। मुर्गे की सवारी दुख और कष्ट की वृद्धि को ओर इशारा करता है। बुधवार और शुक्रवार को नवरात्रि समाप्त होती है, तो मां की वापसी हाथी पर होती है,जो अधिक वर्षा को ओर संकेत करता है। इसके अलावा यदि नवरात्रि का समापन गुरुवार को हो रहा है तो मां दुर्गा मनुष्य के ऊपर सवार होकर जाती हैं, जो सुख और शांति की वृद्धि की ओर इशारा करता है।साथियों बात अगर हम नवरात्रि के प्रत्येक दिन की देवी और पूजा को समझने की करें तो (1)प्रथम दिन-शैलपुत्री,पर्वतराज हिमालय की पुत्री, शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक।(2)द्वितीय दिन- ब्रह्मचारिणी - तप, संयम और भक्ति की देवी। (3) तृतीय दिन-चंद्रघंटा-शौर्य और साहस का स्वरूप (4) चतुर्थी- कूष्मांडा- सृष्टि की अधिष्ठात्री, उर्जा की देवी।(5) पंचमी- स्कंदमाता- मातृत्व और करुणा का प्रतीक।(6) षष्ठी-कात्यायनी-युद्ध और साहस की अधिष्ठात्री।(7)सप्तमी - कालरात्रि-भय को नष्ट करने वाली शक्ति।(8)अष्टमी- महागौरी - शुद्धता और मोक्ष की देवी।(9) नवमी- सिद्धिदात्री-सिद्धियों की अधिष्ठात्री।10)दशमी-विशेष पूजन (विजयादशमी)-दुर्गा विसर्जन, शक्ति की विजय और जीवन में संतुलन।

साथियों बात कर हम कन्याओं और देवी के शास्त्रों की पूजा को समझनें की करें तो,अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें, इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए, इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए. इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए, दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए। पूजा के बाद रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए, 2 साल की कन्या को कुमारी कहा जाता है,इनकी पूजा से दुख और दरिद्रता खत्म होती है। 3 साल की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है, त्रिमूर्ति के पूजन से धन- धान्य का आगमन और परिवार का कल्याण होता है।4 साल की कन्या कल्याणी मानी जाती है, इनकी पूजा से सुख-समृद्धि मिलती है। 5 साल की कन्या रोहिणी माना गया है. इनकी पूजन से रोग-मुक्ति मिलती है। 6 साल की कन्या कालिका होती है. इनकी पूजा से विद्या और राजयोग की प्राप्ति होती है। 7 साल की कन्या को चंडिका माना जाता है. इनकी पूजा से ऐश्वर्य मिलता है। 8 साल की कन्या शांभवी होती है. इनकी पूजा से लोकप्रियता प्राप्त होती है। 9 साल की कन्या दुर्गा को दुर्गा कहा गया है. इनकी पूजा से शत्रु विजय और असाध्य कार्य सिद्ध होते हैं। 10 साल की कन्या सुभद्रा होती है। सुभद्रा के पूजन से मनोरथ पूर्ण होते हैं और सुख मिलता है। पूरे वर्ष में,चार नवरात्रि मनाई जाती है। यह नवरात्रि शारदीय होगी, जो आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तिथि तक मनाई जा रही है। इस दौरान, भक्त मां दुर्गा और उनके नौ अवतारों - नवदुर्गाओं की पूजा करते हैं। यह त्यौहार नौ दिनों तक मनाया जाता है, इसलिए सही तिथियों और कलश स्थापना के सही मुहूर्त को जानना आवश्यक है। नवरात्रि के पहले दिन ही कलश स्थापना की जाती है। मान्यता है कि कलश स्थापना मुहूर्त में ही करनी चाहिए, क्योंकि नौ दिनों यह देवी के स्वरूप में आपके निवास स्थान में विराजमान रहता है।

संपादकीय

अमेरिका ने बढ़ा दी चिंता

अमेरिका से कारोबारी रिश्तों को बेहतर बनाने के प्रयासों के बीच कुछ ऐसा हो गया है जो इस प्रयास में गंभीर अड़ंगा डाल सकता है। अमेरिका से एक बुरी खबर आई है जो कुछ भारतीयों की संदेहास्पद हरकतों पर रोशनी डालती है, जिससे रिश्तों में फिर खटास आ सकती है। कथित तौर पर इन लोगों में कुछ व्यावसायिक अधिकारी और कुछ बड़े कॉरपोरेट नेता शामिल हैं। मामला दर्दनाशक दवाओं के नाम पर ऐसे दवा अनुपूरकों ('फेंटेनाइल प्रीकर्सर') की तस्करी से जुड़ा है जिसे अमेरिका में अक्षम्य अपराध माना जाता है क्योंकि अमेरिका की युवा पीढ़ी बड़े पैमाने पर इनका इस्तेमाल मादक पदार्थ के रूप में करती है। यह लत अमेरिका में राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुकी है। अमेरिका ने 'फेंटेनाइल प्रीकर्सर' की तस्करी में कथित संलिप्तता के चलते कुछ भारतीय व्यावसायिक अधिकारियों और कॉरपोरेट नेताओं के वीजा रद्द कर दिए हैं और उन्हें आगे वीजा देने से इनकार कर दिया गया है। हालांकि उन कारोबारी नेताओं की पहचान उजागर नहीं की गई है जिनके वीजा रद्द कर दिए गए। इस मुद्दे पर नई दिल्ली की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फेंटेनाइल प्रीकर्सर का आशय उन रसायनों से है जिनसे मादक पदार्थ बनाए जाते हैं। अमेरिकी दूतावास का कहना है कि जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे और उनके परिजन हमेशा के लिए अमेरिका यात्रा के लिए अयोग्य करार दिए जा सकते हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, अमेरिका में फेंटेनाइल और इससे संबंधित उत्पादों को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस साझा चुनौती से निपटने में भारत सरकार में अपने समकक्षों के घनिष्ठ सहयोग के लिए आभारी हैं। साथ मिलकर काम करने से ही हमारी दोनों सरकारें इस अंतरराष्ट्रीय खतरे का समाधान कर पाएंगी और दोनों देशों के लोगों को अवैध नशीले पदाथरे से सुरक्षित रख पाएंगी। इसका आशय यह है कि सारा मामला भारत सरकार के संज्ञान में है। तब तो इस मामले में भारत की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। 2025 की एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में भारत और चीन को मादक पदाथरे, उपकरणों और रसायनों की तस्करी का प्रमुख स्रेत कहा जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार फेंटेनाइल और अन्य सिंथेटिक ओपिओइड अमेरिका में तस्करी की जाने वाली घातक दवाएं हैं, जिनके कारण 2024 में 52,000 से अधिक मौत हो चुकी हैं।

दुर्गा आराधना पर्व : नवरात्रि -

(लेखिका - डॉ. रीना मालपानी)

माँ की महिमा, वात्सल्य एवं स्नेह तो शब्दों से परे है। माँ की सृजन शक्ति अतुलनीय है। माँ का त्याग, समर्पण और प्रेम अद्वितीय है। ऐसी ही जगतमाता, जगदंबा, भगवती हमारे कल्याण के लिए नवरात्रि में शक्ति की आराधना के उत्सव पर्व में गज पर सवार होकर पधार रही है। शिव सदैव शक्ति के साथ अपनी पूर्णता से सुशोभित होते है। वे अर्धनारीश्वर स्वरूप में स्त्री सम्मान को प्रदर्शित करते है। प्रत्येक ईश्वरीय सत्ता में हमें नारी के प्रति समभाव दिखाई देता है, फिर चाहे वह राधे-कृष्ण हो, सीता-राम हो, उमा-शंकर हो या लक्ष्मी-नारायण स्वरूप हो। उच्चारण में भी नारी को ही प्रथम स्थान दिया गया है।

माँ की करुणा तो सदा भक्तो के लिए मंगलकारी होती है। माँ भी सदैव सृष्टि के संचालन को सुचारु रूप से चलाने के लिए ईश्वर के साथ लीलाओं में सहयोगी होती है। सती का रूप धारण कर माँ भक्तों के लिए 51 शक्ति पीठों के रूप में आशीर्वाद प्रदान करने के लिए विराजमान हो गई और प्रत्येक भक्त के लिए माँ ने भिन्न-भिन्न स्थानो को चयनित किया। माँ तो सर्वत्र विद्यमान है। माँ का न तो आदि है न अंत। दयामयी, कृपालु माँ तो अंत में भैरव को भी क्षमा कर अपने दर्शन में सहज रूप में सम्मिलित करती है। इतनी उदारता तो केवल माँ के स्वभाव में भी परिलक्षित हो सकती है। माँ की ममता को भला कौन भक्त अनुभव नहीं कर सकता, यदि वह सच्चे मन से स्मरण करें तो माँ सदैव सहायक होती है। दानवों के अत्याचार से भक्तों एवं संतो को बचाने के लिए माँ सिंह पर सवार होकर आती है और सृष्टि को पाप के भय से मुक्त करती है।

माता का एक सरल स्वभाव होता है कि वह बालक की गलतियों को नहीं, बल्कि सदैव उसके अच्छे गुणों एवं कर्मों को याद रखती है, इसलिए यदि हम ईश्वर से भक्ति-भाव के साथ जुड़ जाए तो यह समबंधन ईश्वर भी समान रूप से निर्वहन करते है। यदि हम माता के आगमन की प्रतीक्षा करते है तो माँ भी हमारे पुकारने की प्रतीक्षा में व्याकुल रहती है। जब बच्चा माँ के पास आकर बैठता है और अपने मनोभाव एवं दशा माँ को बताता है तब माँ ही तो होती है जो सुनने एवं समझने का प्रयास करती है। वह प्रत्येक स्थिति में बालक की उन्नति चाहती है। उसकी प्राथमिकता में सदैव बालक का हित निहित होता है। जगतमाता तो सर्वस्व कल्याणी एवं भक्त वत्सल स्वरूपा है। वे कैसे भक्तों की पुकार पर मनोवांछित एवं यथेष्ठ फल न प्रदान करें। श्रीराम कथा में स्वयं माता सीता ने माता पार्वती की स्तुति की थी और कहा था कि माँ आप तो शिव प्रिया एवं वरदान देने वाली हो। आप तो अपने भक्तों को चारों पुरुषार्थ सहजता से प्रदान कर देती है। जिस तरह बालक के हृदय में माँ का निवास होता है वह अपनी प्रत्येक इच्छा पूर्ति के लिए माँ से ही आस लगाता है, वैसे ही माँ के हृदय में भी सदैव बालक की चिंता विद्यमान होती है।

वर्तमान समय में हम प्रत्येक स्थिति में परिवर्तन देख रहे है और हम यह समझ रहे है कि यह सृष्टि ईश्वरीय सत्ता के द्वारा संचालित होती है। हमारी शक्ति ईश्वर की शक्ति के आगे नगण्य है। हमारे जीवन में शामिल यह सभी उत्सव एवं पर्व हमें ईश्वरीय सत्ता से जुड़ने एवं उनके प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ होने के लिए प्रेरित करते है। यदि हम इन उत्सवों में ईश्वर के प्रेम, अनुराग एवं भक्ति में डूबते है तो हम जैसे-तैसे भव सागर से पार तो निश्चित ही हो जाएंगे। ईश्वर का ध्यान, पूजन एवं अर्चन हमारी मानसिक एकाग्रता को भी बढ़ाता है एवं हमें आनंद एवं शांति प्रदान करता है। दुर्गा आराधना पर्व में दुर्गा सप्तशती के पाठ द्वारा माता की आराधना श्रेष्ठ होती है। कन्या पूजन हमें बेटियों को भी अपनत्व से अपनाने एवं प्रेम प्रदान करने की ओर अग्रसर करता है, क्योंकि आँगन की सुंदरता बेटियों से ही सुशोभित होती है। माता की आराधना को उत्सव रूप प्रदान करने के लिए सर्वत्र गरबा नृत्य का भी आयोजन किया जाता है। यह उत्सव एवं आराधना पर्व हमें नारी के प्रति कृतज्ञ एवं सम्मानभाव रखने की भी प्रेरणा देता है। तो आइये इस नवरात्रि पूर्ण निष्ठा भाव से माता के विभिन्न स्वरूपों का ध्यान करें एवं जीवन में भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति को प्राप्त करें।

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं।

इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

तकनीकी प्रगति और बढ़ती स्ट्रक्करल बेरोजगारी से उपजता संकट

(लेखक-सनत जैन)

इसमें दोराय नहीं कि वैज्ञानिक तकनीक और आधुनिकता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व रूप से सुविधाजनक बनाया है। इंटरनेट, एआई, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसी उपलब्धियों ने हमारी दिनचर्या को सरल बनाने का काम किया है। इसके विपरीत एक सवाल जो तेजी से मन-मस्तिष्क में उठता है कि इस विकास की कीमत आखिर कौन चुका रहा है? दुर्भाग्यवश, जवाब मिलता है, वे करोड़ों लोग जो बेरोजगार हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि परंपरागत भारत में तकनीकी बदलावों ने धीरे-धीरे छोटे-छोटे कामकाज, पारंपरिक व्यवसाय और अनौपचारिक रोजगार को खत्म करने का तेजी से काम किया है। इस स्ट्रक्करल बेरोजगारी ने समाज की जड़ों को हिलाना शुरू कर दिया है। इसका प्रारंभिक असर गांव और कस्बों में देखने को मिला है। यहां पहले कभी मोबाइल मेमोरी कार्ड में गाने और फिल्में डाउनलोड करने का कारोबार हजारों युवाओं को रोजगार देने का काम करता था, लेकिन सस्ते इंटरनेट ने यह रोजगार निगल लिया। सीधे यूट्यूब और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने मनोरंजन उद्योग में रोजगार का बड़ा हिस्सा छीन लिया। इसी तरह, शादियों और बड़े आयोजनों में सब्जी काटने-धोने जैसे काम लाखों मजदूरों को आजीविका देते थे। अब मशीनें यह काम कुछ ही मिनटों में बहुत ही सफाई से कर देती हैं। निर्माण उद्योग, जो कभी भारी मजदूर वर्ग का सहारा था, वहां भी रोबोटिक पंप और ऑटोमैटिक मशीनों ने जगह बना ली है। जहां पहले एक मिस्त्री के साथ चार-पांच मजदूर मिलकर काम करते थे, अब एक मशीन पूरा काम कर रही है। इससे शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है, ब्लैकबोर्ड और चॉक बेचने वाले छोटे व्यापारी से लेकर पारंपरिक सप्लाई चेन तक सब डिजिटल बोर्ड और स्मार्ट क्लासरूम की भेंट चढ़ गए हैं। घरेलू सेवाओं में भी संकट गहराता नजर आया है। सफाई कर्मियों से लेकर घरेलू कामगार तक, सबकी नौकरियों पर रोबोटिक क्लीनर और स्मार्ट उपकरणों का साया मंडरा रहा है। अगले एक दशक में करोड़ों घरेलू कामगार बेरोजगार हो सकते हैं। मनोरंजन और विवाह उद्योग, जो पहले हजारों फोटोग्राफर और वीडियो एडिटरों को काम देता था, वहां भी एआई आधारित एडिटिंग सॉफ्टवेयर ने मानवीय कौशल की जगह ले ली है। कपड़ा उद्योग की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गांव-गांव में दर्जी का काम रेडीमेड कपड़ों और कारखानों की मशीनों ने छीन लिया है। इसी तरह रिक्शा चालकों की आजीविका भी ई-रिक्शा और कॉर्पोरेट निवेशकों के कब्जे में चली गई। स्थानीय स्तर पर प्रॉपर्टी डीलर, इवेंट मैनेजर और बीमा एजेंट जैसे परामर्शदाता भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की वजह से अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। दरअसल, स्ट्रक्करल बेरोजगारी की सबसे खतरनाक विशेषता यह है कि यह अचानक नहीं आती बल्कि धीरे-धीरे, दबे पांव आती है और खामोशी के साथ यह करोड़ों लोगों की आजीविका छीन लेती है। लोग समझ ही नहीं पाते कि उनका रोजगार कब तकनीक के हवाले हो गया। भारत में आज लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों लोग इस बेरोजगारी के शिकार हो चुके हैं। और आने वाले वर्षों में एआई और ऑटोमेशन के बढ़ते उपयोग से यह संख्या और भी बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सवाल यह है, कि इस संकट का समाधान क्या है? विशेषज्ञों की मानें तो केवल तकनीक को दोष देना समाधान नहीं है।

जरूरत है स्किल डेवलपमेंट, री-स्किलिंग और वैकल्पिक रोजगार योजनाओं को धरातल पर लाने की। सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां तकनीकी बदलाव रोजगार छीनने की बजाय नए अवसर पैदा करें। उदाहरण के लिए, एआई और मशीनों को संभालने, प्रोग्राम करने और उनकी निगरानी करने के लिए भी मानव कौशल की जरूरत होती है। भारत जैसे युवा देश में यह चुनौती अवसर में भी बदल सकती है।

लेकिन शर्त यही है कि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं। यदि इस पर देर हुई, तो तकनीकी प्रगति हमारे लिए वरदान से ज्यादा अभिशाप साबित हो सकती है। तकनीक से लड़ना संभव नहीं है, लेकिन इसके साथ तालमेल बिठाकर बेहतर अवसर तलाशना उत्तम भविष्य की कुंजी हो सकती है। अत- सरकार, समाज और उद्योग जगत को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि आधुनिकता के नाम पर करोड़ों लोगों का भविष्य अंधकारमय न हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद, त्योहारों में होगी रिकॉर्ड बिक्री

- दोपहिया बाजार में बरकरार रहेगा शीर्ष स्थान

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद है कि इस साल त्योहारों का मौसम कंपनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा साबित होगा। जीएसटी में कटौती के बाद मांग में तेजी आने की संभावना है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत होंगे। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया` कि पहले पांच महीनों में बिक्री लगभग स्थिर रही, लेकिन नवरात्र और त्योहारों के दौरान अच्छी बुकिंग देखी जा रही है। हीरो मोटोकॉर्प इस बार 12 नए उत्पाद पहली बार त्योहारों के मौके पर बाजार में ला रही है, जिससे कंपनी को दोहरा फायदा होने की उम्मीद है। मौजूदा उत्पादों के साथ-साथ नई पेशकशों की वजह से कंपनी उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा` कि यह सकारात्मक माहौल कंपनी के लिए उत्साहजनक है और इसे बढ़ावा देगा। वित्त वर्ष 2024-25 में हीरो मोटोकॉर्प ने दोपहिया वाहन बिक्री में 54,45,251 इकाइयों के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा है। मुख्य प्रतिस्पर्धी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री 47,89,283 रही। अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, हीरो लगभग दो लाख इकाइयों की बढ़त बनाए हुए है। हीरो मोटोकॉर्प 100 सीसी, 125 सीसी, स्कूटर और प्रीमियम सेगमेंट में विस्तार की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता बढ़ाने और हार्ले-डेविडसन के साथ साझेदारी जारी रखने की भी रणनीति है। साथ ही, प्रीमियम बिक्री आउटलेट (प्रेमिया स्टोर) की संख्या बढ़ाई जाएगी। वर्मा ने भरोसा जताया कि कंपनी 2025 में भी इस क्षेत्र में सबसे आगे रहेगी।

भारत-ओमान जल्द करेंगे सीईपीए समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली । भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत में ओमान के राजदूत इसा सालेह अब्दुल्ला अलशिबानी ने बताया कि बातचीत पूरी हो चुकी है और अब कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। यह समझौता व्यापार को ऊर्जा क्षेत्र से आगे बढ़ाकर विविध वस्तुओं और सेवाओं तक विस्तारित करेगा। भारत, ओमान से मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया का आयात करता है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच व्यापार 10.61 अरब डॉलर रहा। ओमान में 6,000 से अधिक भारत-ओमान संयुक्त उद्यम कार्यरत हैं। सीईपीए से सीमा शुल्क में कटौती, सेवाओं के व्यापार में वृद्धि और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। यह समझौता भारत और खाड़ी देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चांदी ने इस साल अब तक दिया 49 फीसदी का रिटर्न, सोना और शेयर बाजार पीछे

- ईवी और सौर ऊर्जा सेक्टर की मांग, वैश्विक अनिश्चितता और कमजोर डॉलर ने चांदी पहुंची उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।

इस वर्ष चांदी ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न देकर सोना और शेयर बाजार को पीछे छोड़ दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की कीमत 19 सितंबर 2025 तक 49.14 फीसदी बढ़कर 1,30,099 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 87,233 रुपए प्रति किलोग्राम थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदों से आई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और स्वच्छ तकनीक क्षेत्रों से औद्योगिक मांग में तेज वृद्धि भी चांदी की कीमतों को बढ़ावा देने वाला मुख्य कारक रही। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनावों के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश ने भी चांदी को समर्थन दिया। इसके अलावा कमजोर रुपये ने घरेलू कीमतों को और ऊपर पहुंचाया। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि चांदी एकमात्र

ऐसी धातु है जिसमें बहुमूल्य और औद्योगिक दोनों गुण मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि चांदी कॉमेक्स पर 2012 के बाद पहली बार 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो सोना इस साल अब तक 43.2 फीसदी बढ़ा है, जबकि बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में क्रमशः 5.74 और 7.1 फीसदी की वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि जोखिम क्षमता के अनुसार चांदी में निवेश अभी भी एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

एच-1बी वीजा फीस सिर्फ नए आवेदकों पर लागू

- 21 सितंबर से पहले दाखिल पिटीशनों पर नहीं पड़ेगा असर

मुंबई । अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर मची हलचल के बीच व्हाइट हाउस ने बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। नए नियम के तहत लागू की गई 1,00,000 डॉलर (लगभग 83 लाख रुपए) की भारी फीस केवल नए एच-1बी आवेदकों पर लागू होगी, मौजूदा वीज़ा धारकों पर नहीं। अमेरिकी नागरिकता और इमिग्रेशन सेवा (यूएससीआईएस) ने साफ किया है कि यह फीस केवल 21 सितंबर के बाद दायर होने वाले नए पिटीशनों पर लागू होगी। यूएससीआईएस निदेशक जोसेफ़ एडलो के अनुसार यह नियम राष्ट्रपति ट्रंप के एक आदेश का हिस्सा है। इसका उद्देश्य अमेरिका में विदेशी श्रमिकों की एंट्री को नियंत्रित करना और अमेरिकी नागरिकों को नौकरी में प्राथमिकता देना है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने कहा कि यह एकमुश्त शुल्क है, न कि कोई सालाना फीस। वहीं प्रेस सेक्रेटरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मौजूदा वीज़ा धारकों या उनके नवीनीकरण पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि शुरू में इस आदेश से भारतीय एच-1बी वीज़ा धारकों में काफी भ्रम और डर फैल गया था। कई लोगों ने भारत लौटने की योजना टाल दी, जबकि कुछ की अमेरिका वापसी की फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। अब इस स्पष्टीकरण से हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स को राहत मिली है।

दोपहिया वाहनों के बीमा दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

- इलेक्ट्रिक बाइकों से सबसे ज्यादा खतरा

मुंबई । पॉलिसी बाजार की ताज़ा रिपोर्ट में दोपहिया वाहनों के इंश्योरेंस क्लेम को लेकर कई अहम खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में ऐसे दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। अगले वर्ष इसमें 10-12 फीसदी और इजाफा होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट बताती है कि 150 सीसी से 350 सीसी की मिड-रेंज मोटरसाइकिलों से जुड़े दावे सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि कम्यूटर बाइकों और स्कूटरों से जुड़े क्लेम स्थिर रहे। शहरों में इन तेज और पावरफुल बाइकों की मांग दुर्घटनाओं के जोखिम को बढ़ा रही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों से जुड़े बीमा क्लेम पेट्रोल बाइकों की तुलना में 18-20 फीसदी अधिक हैं। इसकी प्रमुख वजह बैटरी से जुड़ी समस्याएं और महंगे पुर्जों की मरम्मत है, जिसका खर्च 30-35 फीसदी तक ज्यादा आता है। भौगोलिक दृष्टि से देखें तो महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से कुल दावों का लगभग आधा हिस्सा आता है। गाजियाबाद, जयपुर और मेरठ जैसे शहर अब बाइक चोरी के हॉटस्पॉट बन गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 70-75 फीसदी दावे मामूली दुर्घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित हैं, जबकि 20-25 फीसदी चोरी और पूरी तरह के नुकसान के मामले हैं। थर्ड-पार्टी क्लेम कम होते हैं लेकिन इनका खर्च ज्यादा होता है। पॉलिसी बाजार के विशेषज्ञों ने बदलते ट्रैफिक और तकनीकी रुझानों के बीच व्यापक बीमा को आवश्यक बताया है, खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए।

एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ोतरी और जीएसटी में कटौती से बाजार की दिशा तय होगी

- आईटी कंपनियों पर अमेरिका का नया शुल्क बनेगा दबाव का कारण

मुंबई ।

अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा शुल्क को 100,000 डॉलर तक बढ़ाने के फैसले का असर इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार पर दिख सकता है। इस कदम से भारत की आईटी कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो की लागत बढ़ सकती है, जिससे उनकी आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला उन कंपनियों के लिए चिंता का विषय है जो अमेरिका में ऑनशोर प्रोजेक्ट्स पर निर्भर हैं। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा धारकों में 70 फीसदी से अधिक भारतीय पेशेवर हैं। बाजार` विशेषज्ञों के अनुसार यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब वैश्विक व्यापार वार्ताएं चल रही हैं, और इससे आईटी सेवा निर्यातकों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ेगा। यह कदम अमेरिकी ग्राहकों की लागत बढ़ाएगा और भारतीय टैलेंट की मांग को प्रभावित करेगा। हालांकि घरेलू मोर्चे पर राहत की खबर है। जीएसटी परिषद ने 375 वस्तुओं पर कर दरों में कटौती की घोषणा

की है, जो 22 सितंबर से लागू होगी। इससे रसोई का सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और वाहन सस्ते होंगे।

यह त्योहारी सीजन में उपभोक्ता मांग को प्रोत्साहित कर सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 22 सितंबर को अमेरिका में व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए जाएंगे, जिससे व्यापारिक दृष्टिकोण से सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की दिशा निर्धारित करेंगी।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 721 अंक और निफ्टी में 213 अंकों की बढ़त देखी गई। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व की नीतियों पर भी बनी रहेगी।

अमूल और मदर डेयरी ने सस्ते किए दूध और दुग्ध उत्पाद

- जीएसटी में कटौती के बाद दोनों कंपनियों ने 22 सितंबर से लागू की नई कीमतें

नई दिल्ली। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) जो अमूल ब्रांड नाम से उत्पाद बेचता है, ने अपने 700 से अधिक उत्पादों के दाम घटाने का ऐलान किया है। यह फैसला सरकार द्वारा दूध और संबंधित उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती के बाद लिया गया है। अमूल का कहना है कि वह इसका पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना चाहती है। नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। इसके तहत 100 ग्राम मक्खन की कीमत 62 रुपए से घटकर 58 रुपए, एक लीटर घी 650 रुपए से घटकर 610 रुपए और 1 किलो चीज ब्लॉक 575 रुपए से घटकर 545 रुपए हो गया है। 200 ग्राम फ्रोजन पनीर अब 95 रुपए में मिलेगा, जो पहले 99 रुपए था। अमूल का मानना है कि कीमतों में कमी से दूध उत्पादों की मांग बढ़ेगी, जिससे किसानों को भी सीधा लाभ मिलेगा। जीसीएमएमएफ के 36 लाख से अधिक किसान सदस्य हैं। उधर, मदर डेयरी ने भी अपने उत्पादों के दाम घटाए हैं। यूएचटी दूध (टेट्रा पैक) की कीमत 77 रुपए से घटकर 75 रुपए कर दी गई है। मक्खन, चीज और घी पर भी क्रमशः 20 रुपए, 35 रुपए और 30 रुपए तक की कटौती की गई है। पनीर 3 रुपए से 6 रुपए प्रति किलो सस्ता हुआ है।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.18 लाख करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बनी रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला, जिससे शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,18,328.29 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की गई। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल को सबसे अधिक लाभ हुआ। बीएसई सेंसेक्स सप्ताह भर में 721.53 अंक चढ़कर बंद हुआ। इस बढ़त का सीधा असर प्रमुख कंपनियों के मार्केट कैप पर पड़ा। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 35,953.25 करोड़ रुपए बढ़कर 7,95,910 करोड़ रुपए हो गया, जबकि भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 33,214.77 करोड़ रुपए बढ़कर 11,18,952.64 करोड़ पहुंच गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 17,389.23 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 19,04,898.51 करोड़ रुपए रहा। इसके अलावा टीसीएस (12,952.75 करोड़ रुपए), एलआईसी (12,460.25 करोड़ रुपए), इन्फोसिस (6,127.73 करोड़ रुपए) और एचडीएफसी बैंक (230.31 करोड़ रुपए) के मूल्यांकन में भी वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 10,707.87 करोड़ रुपए घटकर 10,01,654.46 करोड़ रह गया। बजाज

फाइनेंस और एचयूएल में क्रमशः 6,346.93 करोड़ रुपए और 5,039.87 करोड़ रुपए की गिरावट हुई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बनी रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और एलआईसी का क्रम रहा।

डिविडेंड का धमाका, अगले हफ्ते 111 कंपनियां बांटेंगी मुनाफा

- 22 से 26 सितंबर तक बजाज, महाराष्ट्र स्कूटर, मोंटे कार्लो जैसी कंपनियां देंगी मोटा डिविडेंड

मुंबई । अगला हफ्ता शेयर बाजार में निवेशकों के लिए खास होने जा रहा है। 22 से 26 सितंबर के बीच कुल 111 कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड बांटेंगी। सबसे बड़ा डिविडेंड महाराष्ट्र स्कूटर लिमिटेड की ओर से 160 प्रति शेयर का घोषित किया गया है। वहीं, बजाज होल्डिंग्स 65 रुपए और मोंटे कार्लो 20 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देगी। अकेले 22 सितंबर को ही 60 से ज्यादा कंपनियां लाभांश बांटेंगी। 23 सितंबर को इंडिया ग्लाइकोल्स 10 रुपए और जिंदल पॉली फिल्म्स 5.90 रुपए का डिविडेंड देगी। इसके अलावा कई छोटी-बड़ी कंपनियां इस हफ्ते मुनाफा बांटेंगी। निवेशकों के लिए यह हफ्ता निष्क्रिय आय कमाने का बेहतरीन अवसर हो सकता है। ध्यान दें कि डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट और एक्स-डिविडेंड डेट का पालन जरूरी है।

पीयूष गोयल की इंडस्ट्री से अपील, टैक्स कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को दें

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों से पहले उद्योगों से अपील की है कि वे टैक्स कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएं। नए फ्रेमवर्क के तहत मौजूदा चार टैक्स स्लैब (5, 12, 18, 28 फीसदी) को घटाकर सिर्फ दो स्लैब (5 और 18 फीसदी) किया जाएगा। इस बदलाव से कई वस्तुओं पर टैक्स कम होगा, जिससे आम लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी। सरकार ने कई वस्तुओं के टैक्स में भारी कमी की है। इसके अलावा, सिन और लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स निर्धारित किया गया है। मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में कहा कि टैक्स कटौती का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाना जरूरी है, जिससे उद्योगों को भी दीर्घकालीन फायदा होगा। उन्होंने बताया कि ऑटोमोबाइल सेक्टर पहले ही कीमतों में कटौती कर ग्राहकों को फायदा पहुंचा रहा है। सरकार व्यापार सुगमता और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है, जिनमें नई लॉजिस्टिक्स नीति, नए औद्योगिक शहरों का विकास, छोटे विवादों को अपराधमुक्त करना और उद्योगों पर अनुपालन बोझ कम करना शामिल है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने उद्योग संघों और विभिन्न मंत्रालयों के साथ बैठकों के जरिए नए जीएसटी दरों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स कटौती से उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की कीमतों में कम से कम 10 प्रतिशत और ऑटोमोबाइल की कीमतों में 12 से 15 प्रतिशत तक की कमी आएगी। इससे आम जनता को सस्ते दामों पर उत्पाद मिलेंगे और बाजार में मांग बढ़ेगी। इस प्रकार, नई जीएसटी व्यवस्था के लागू होने से उपभोक्ताओं को सीधे फायदा मिलने की उम्मीद है, जिसके लिए उद्योगों का सहयोग आवश्यक है।

एनटीपीसी विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों का अधिग्रहण करेगी

- स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम, माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की परियोजना से होगी शुरुआत

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करने जा रही है। कंपनी अपनी भावी परियोजनाओं के लिए विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों के अधिग्रहण की योजना बना रही है, जिससे परमाणु ईंधन की सुनिश्चित आपूर्ति हो सके। एनटीपीसी ने यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के मसौदे को मंजूरी दी है। इसके तहत विदेशों में यूरेनियम खनिजों की तकनीकी और वाणिज्यिक जांच की जाएगी। यूरेनियम एक प्राकृतिक धातु है, जिसका उपयोग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में ईंधन के रूप में होता है। एनटीपीसी, जिसकी कुल स्थापित क्षमता 83,026 मेगावाट है, अब कोयला, गैस, जल और सौर ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा को भी अपने ऊर्जा मिश्रण में शामिल कर रही है। परमाणु क्षेत्र में इसकी पहली परियोजना राजस्थान के माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की होगी, जिसे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ संयुक्त उद्यम 'अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के माध्यम से विकसित किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने जनवरी 2025 में अपनी सहायक इकाई एनटीपीसी न्यूक्लियर एनर्जी लिमिटेड की स्थापना भी की है। एनटीपीसी, अमेरिका की क्लीन कोर थोरियम एनर्जी जैसी कंपनियों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रही है। भारत सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित की जाए। फिलहाल देश की कुल ऊर्जा क्षमता में परमाणु ऊर्जा का योगदान सिर्फ 2 फीसदी (8,180 मेगावाट) है। एनटीपीसी का यह कदम इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत समुद्री खाद्य निर्यात में ग्लोबल लीडर, 2030 तक 15 बिलियन डॉलर का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत वर्तमान में 132 देशों को समुद्री खाद्य निर्यात कर विश्व बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। 2024-25 में देश ने 16,98,170 टन सीफूड का निर्यात किया, जिसकी कीमत 62,408.45 करोड़ रुपए (7.45 बिलियन डॉलर) रही। यह पिछले वर्ष 2023-24 के 17,81,602 टन निर्यात और 60,523.89 करोड़ रुपए (7.38 बिलियन डॉलर) से मूल्य के हिसाब से बढ़त दर्शाता है। इस क्षेत्र की निरंतर बढ़ोतरी वैश्विक व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद उसकी मजबूती को दर्शाती है। मत्स्य पालन क्षेत्र करीब 3 करोड़ मछुआरों और फिश फार्मरों की आजीविका का सहारा है, जो देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र न केवल निर्यात में बढ़ोतरी कर रहा है, बल्कि ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन में भी योगदान दे रहा है। एशिया के सबसे बड़े सीफूड ट्रेड फेयर, इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो का 24वां संस्करण 25 से 28 सितंबर तक भारत मंडपम, दिल्ली में आयोजित होगा। यह आयोजन वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 का हिस्सा है। एसईएआई के अध्यक्ष पवन कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत के समुद्री खाद्य निर्यात क्षेत्र की वैश्विक स्थिति मजबूत करने और नए बाजारों में विस्तार के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। एसईएआई के महासचिव के.एन. राघवन ने कहा कि उनका आदर्श वाक्य 'सतत तरीके से प्राप्त, मानवीय तरीके से सोर्सिंग' इस क्षेत्र की जिम्मेदार और नैतिक प्रथाओं को दर्शाता है। आईआईएसएस 2025 में 260 से अधिक स्टॉल, तकनीकी सत्र, और 15 से अधिक देशों के प्रतिभागी मौजूद रहेंगे, जिनमें अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, जापान और चीन प्रमुख हैं। भारत का समुद्री खाद्य निर्यात क्षेत्र तेजी से बढ़ते वैश्विक बाजार में अपनी मजबूती और स्थिरता को कायम रखे हुए है।

एच-1बी वीजा फीस हाइक : केंद्र सरकार नैसकॉम के साथ स्थिति का कर रही आकलन

- अमेरिका ने एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर की सालाना फीस लगाने का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर सालाना 1 लाख डॉलर की फीस लगाने के प्रस्ताव से भारतीय आईटी सेक्टर में हलचल है। इस फैसले से विशेषकर अमेरिकी कंपनियों पर असर पड़ने की उम्मीद है, जो तकनीकी प्रतिभा के लिए भारतीय पेशेवरों पर निर्भर हैं। भारत सरकार और प्रमुख आईटी संस्था नैसकॉम इस निर्णय के संभावित प्रभाव का विश्लेषण कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास भी इस मुद्दे पर सक्रिय है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की इस नीति से भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसीएस) के विस्तार को बल मिलेगा। वर्तमान में भारत में लगभग 1,700 जीसीसीएस हैं, और 2030 तक यह संख्या 2,100 पार करने का अनुमान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा कि भारत में दुनिया के लगभग 50 फीसदी जीसीसीएस मौजूद हैं, जो अब सिर्फ बैक ऑफिस नहीं, बल्कि इनोवेशन और आरएंडडी के हब बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह सेक्टर विकसित भारत 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। टेक महिंद्रा के पूर्व सीईओ सीपी गुरनानी ने बताया कि भारतीय आईटी कंपनियों ने एच-1बी वीजा पर निर्भरता कम कर दी है और अब स्थानीय प्रतिभा, ऑटोमेशन और ग्लोबल डिलीवरी मॉडल पर जोर दिया जा रहा है। कुल मिलाकर, जहां एक ओर अमेरिकी नीति से चुनौतियाँ हैं, वहीं भारत के लिए यह तकनीकी नेतृत्व स्थापित करने का अवसर भी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के पूर्व क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के लिए तैयार

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास अगले BCCI अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। BCCI के विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले, शनिवार तक, मन्हास अध्यक्ष पद की दौड़ में एकमात्र नाम थे, जो इस साल अगस्त में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी के पद छोड़ने के बाद से खाली है। BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तब से अंतरिम रूप से इस पद पर कार्यरत थे।

BCCI पदाधिकारियों में एक और क्रिकेटर के शामिल होने की संभावना है, कर्नाटक और भारत के पूर्व स्पिनर रघुराम भट कोषाध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। भट वर्तमान में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। मन्हास, जो अक्टूबर में 46 वर्ष के हो जाएंगे, जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के संचालन के लिए BCCI द्वारा नियुक्त उप-समिति का हिस्सा हैं।

जम्मू में जन्मे मन्हास 2015 में दिल्ली से जम्मू और कश्मीर चले गए थे और उसके अगले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। तब से उन्होंने विभिन्न टीमों के साथ कोच के रूप में काम किया है, जिसमें बांग्लादेश पुरुष अंडर-19 टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के साथ-साथ आईपीएल टीमों किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के लिए भी काम किया है। भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गज मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक 157 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जहां उन्होंने 9714 रन बनाए; 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन बनाए; और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।

मन्हास का नाम शनिवार को दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक में सामने आया, जिसमें BCCI के कुछ प्रमुख पूर्व और वर्तमान सदस्य शामिल हुए, जिनमें वर्तमान ICC अध्यक्ष जय शाह, शुक्ला, BCCI सचिव देवजीत सैकिया, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली और पूर्व बोर्ड सचिव निरंजन शाह शामिल थे। विभिन्न पदाधिकारियों के लिए चुनाव 28 सितंबर को मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होने वाले हैं। हालांकि, रविवार के अंत तक नए नामांकन दाखिल नहीं किए जाते, तो दिल्ली बैठक में चर्चा किए गए नामों के अंतिम होने की उम्मीद है।

माना जा रहा है कि सैकिया, जिन्होंने इसी जनवरी में जय की जगह BCCI सचिव का पद संभाला था, इस पद पर बने रहेंगे, जबकि शुक्ला भी उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रभतेज भाटिया, जिन्हें जनवरी में कोषाध्यक्ष चुना

गया था, गोवा क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव रोहन देसाई की जगह संयुक्त सचिव का पद संभालेंगे। सौराष्ट्र के पूर्व कप्तान जयदेव शाह को BCCI की शीर्ष परिषद में शामिल किए जाने की संभावना है और वह मिजोरम के खैरुल जमाल मजूमदार की जगह लेंगे, जिनके आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने की संभावना है।

सुपर-4 में हार के बावजूद श्रीलंका कप्तान ने की टीम की सराहना, कहा- ड्रेसिंग रूम इस बात से खुश

स्पोर्ट्स डेस्क। श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में एशिया कप 2025 के सुपर 4 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश से चार विकेट से मिली हार के बावजूद अपनी टीम के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। श्रीलंका ने ग्रुप चरण में अफगानिस्तान के कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर सुपर 4 में अपनी जगह पक्की की थी। बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने दासुन शनाका की दमदार पारी की बदौलत 20 ओवरों में 168 रन बनाए। मैच के बाद बोलते हुए असलांका ने स्वीकार किया कि टीम ने अच्छा संघर्ष दिखाया लेकिन वे अपनी पारी को और बेहतर तरीके से समाप्त कर सकते थे। असलांका ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह एक शानदार मैच था। हमने अंत तक संयम बनाए रखा लेकिन यह काफी नहीं था। अपनी बल्लेबाजी से थोड़ा खुश हूं, हम आखिरी 2 ओवरों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। हम 10-15 रन कम बना पाए। दासुन शनाका ने पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वाकई अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने एक लंबा छक्का लगाया और ड्रेसिंग रूम लगभग 170 के स्कोर से खुश था।'

श्रीलंका बनाम बांग्लादेश मैच रिपोर्ट

सैफ हसन और तौहीद हृदयॉय के शानदार अर्धशतकों और अपने गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने एशिया कप सुपर-4 मैच में श्रीलंका को चार विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने दासुन शनाका के 37 गेंदों में 64 रनों की बदौलत सात विकेट पर 168 रन बनाए, लेकिन बांग्लादेश ने सैफ (45 गेंदों में 61 रन) और हृदयॉय (37 गेंदों में 58 रन) की शानदार पारियों की बदौलत 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 169 रन बनाकर मैच जीत लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दिखाई अपनी पावर-हिटिंग, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए चौके-छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले यूथ वनडे में भारत के 225 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी पावर-हिटिंग दिखाते हुए सहजता से चौके जड़ने का जलवा दिखाया। ओपनिंग करने उतरे सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण पर हमला बोला औरचौके जड़े। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों पर 7 चौकों और एक गगनचुंबी छक्के की मदद से 38 रनों की पारी खेली। इस किशोर खिलाड़ी ने हेडन शिलर और चार्ल्स लैचमंड का डटकर सामना किया, जो शुरुआती ओवरों में दबाव में थे।

भारत को जीत के लिए 225 रनों की जरूरत थी, और सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने शानदार शुरुआत दिलाई। सूर्यवंशी के आउट होने के बाद म्हात्रे (6) और विहान मल्होत्रा (9) सस्ते में आउट हो गए, यानी भारत ने 100 रन का आंकड़ा पार करने से पहले ही 3 विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की पारी जॉन जेम्स की नाबाद 77 रनों की पारी के दम पर आगे बढ़ी, जिन्होंने शुरुआती विकेट गिरने के बाद निचले क्रम को संभाले रखा। हेनिल पटेल (3/38) और किशन कुमार (2/59) ने भारत की ओर से गेंदबाजी का नेतृत्व किया जबकि कनिष्क चौहान ने भी दो विकेट लिए।

मेजबान टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 225 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी गेंदबाजों पर हावी होने की अपनी क्षमता से एक बार फिर मुकाबले में आकर्षण का केंद्र बन गए। उनकी पारी के वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गए और प्रशंसक क्रीज पर इस युवा खिलाड़ी के कौशल का जश्न मना रहे थे। भारत का लक्ष्य अब मध्य क्रम के बल्लेबाजों पर है, लेकिन शुरुआती बढ़त सूर्यवंशी के नाम रही।

यशस्वी जायसवाल ने एशिया कप स्क्वॉड से नजरअंदाज किए जाने पर तोड़ी चुप्पी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम का एशिया कप 2025 में प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम ने लीग स्टेज के सभी मुकाबले जीतकर सुपर-4 में प्रवेश किया है, जहां उसका पहला मुकाबला पड़ोसी देश पाकिस्तान से होगा। भारतीय स्क्वॉड में अधिकांश खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को मेन स्क्वॉड में जगह नहीं मिली, जिनमें यशस्वी जायसवाल का नाम भी शामिल है। इस बीच, जायसवाल ने एशिया कप स्क्वॉड से नजरअंदाज किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि खिलाड़ियों का चयन चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सिर्फ अपनी कड़ी मेहनत और प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं।

यशस्वी ने टेस्ट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन टी20 जैसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें अभी भी संघर्ष करना पड़ रहा है। एशिया कप के लिए टीम चयन के समय यशस्वी का नाम शामिल न होने

से कई सवाल उठे थे। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने और विराट कोहली तथा रोहित शर्मा के वरिष्ठ खिलाड़ियों के जाने के बाद टीम के ऊपरी क्रम में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा, उपकप्तान के रूप में शुभमन गिल की एंट्री के बाद जायसवाल को भारतीय टीम में आने के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

यशस्वी ने कहा, ये सब चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। वे इसे टीम संयोजन के नजरिए से देखते हैं। मैं मेहनत जारी रखूंगा और मुझे पता है मेरा समय आएगा। तब तक, मैं खुद पर काम करता रहूंगा और बेहतर करता रहूंगा। 23 टी20 मैचों में यशस्वी ने 723 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 164.31 का रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की निरंतरता भारतीय टीम के लिए भविष्य में बड़ी ताकत साबित हो सकती है।

भारत ने शुक्रवार को ओमान को 21 रन से हराकर एशिया कप के ग्रुप लीग चरण का अंत जीत की हैट्रिक के साथ किया। अब भारतीय टीम 48 घंटे से भी कम समय में दुबई में सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान से भिड़ेगी। इस मुकाबले में टीम का पूरा ध्यान जीत पर होगा, जबकि युवा खिलाड़ियों जैसे यशस्वी को अपने खेल को और निखारने का मौका मिलने का इंतजार रहेगा। यशस्वी की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह निराश नहीं हुए हैं और अपने समय के इंतजार में मेहनत जारी रखेंगे, जिससे भविष्य में भारतीय टीम में उनकी वापसी निश्चित ही देखने को मिल सकती है।

संजू सैमसन ने सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की टीम संस्कृति पर की बात, बताया कैसा है माहौल

नई दिल्ली। भारत के पसंदीदा विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में समानता और स्वतंत्रता का माहौल बनाने के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व को श्रेय दिया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सैमसन ने बताया कि कैसे टीम संस्कृति ने

खिलाड़ियों को खुद को और अधिक स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में मदद की है। सैमसन ने कहा, 'मैं अपने टीम लीडर सूर्यकुमार और गौतम भाई (गौतम गंभीर) को इस बात का बहुत श्रेय देना चाहता हूं कि वे इस माहौल को कैसे बनाए रखते हैं। यह बहुत ही शांत वातावरण है। यह एक समान वातावरण है। सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है और टीम में सभी को समान महत्व दिया जाता है। मुझे लगता है कि इससे आपका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आता है और इस प्रारूप में यही जरूरी है। पूरी तरह स्वतंत्र और जिम्मेदार होना। मुझे लगता है कि आप टीम को, टीम के साथी को आजादी कैसे देते हैं।' ओमान के खिलाफ सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर भेजा गया, जहां उन्होंने संयमित अर्धशतक लगाकर भारत की पारी को संभाला। वह क्रीज पर समय बिताने के मौके के लिए आभारी थे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे लगता है कि क्रीज पर कुछ समय बिताने के लिए मैं वाकई आभारी हूं। मुझे लगता है कि मैं घर पर कुछ मैच खेल रहा हूं, लेकिन देश के लिए, एशिया कप के लिए, क्रीज पर कुछ समय बिताने से मुझे वाकई मदद मिली।'

अश्विन ने मैच रैफरी को निशाना बनाने के लिए पीसीबी को आड़े हाथों लिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे आर अश्विन ने मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की कड़ी आलोचना की है। पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर भारतीय टीम का साथ देने को आरोप लगाया था। भारतीय खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने के लिए पाइक्रॉफ्ट को जिम्मेदार बताने पर भी अश्विन ने हैरानी जताई है। इसके अलावा यूएई मैच से पहले पाइक्रॉफ्ट की पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से मुलाकात को जिस प्रकार से रिकार्ड किया गया उसे भी अश्विन ने गलत बताया है। अश्विन ने कहा कि पीबीसी बेकार की नाटकबाजी कर रही है। अश्विन ने कहा, पाइक्रॉफ्ट ने सबको ऐसा बेकार का ड्रामा देखने से बचा लिया।

पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे पैट कमिंस एशेज में सभी टेस्ट मैच खेलने की उम्मीद

सिडनी। पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते है। कमिंस ने एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। कमिंस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वे पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। कमिंस ने कहा, लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गर्मियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तब हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करूंगा। सच कहूं तब

यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है। कमिंस ने इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि यह संभावना नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया पूरी गर्मियों में एक अपरिवर्तित आक्रमण के साथ टिकेगा। उन्होंने कहा, ज्यादातर सालों में, कम से कम एक गेंदबाज तब खेल ही जाता है। जॉश हेजलवुड पिछले साल आखिरी हाफ में नहीं खेल पाए थे। जाहिर है, परिस्थितियां बदलती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आपको बस एक नए गेंदबाज की जरूरत है, जो आकर टेस्ट मैच में बिना पलक झपकाए 40 ओवर गेंदबाजी कर सके। उल्लेखनीय है कि इस हफ्ते ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडॉनाल्ड ने कहा कि कमिंस इस सीरीज में 'हिस्सा लेने वाले है। इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 नवंबर से पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होगा। मैकडॉनाल्ड ने कहा कि कमिंस एशेज में' महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगे। लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि 5 टेस्ट मैचों की योजना कभी भी तेज गेंदबाजी के लिए नहीं थी। हालांकि कमिंस अभी भी आशान्वित हैं। पैट कमिंस पांचों एशेज टेस्ट खेलने का लक्ष्य बना रहे हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज को श्रृंखला के करीब आने पर ही पता चलेगा कि वह एक व्यावहारिक विकल्प है या नहीं। हालांकि कमिंस इस लेकर आशांवित है।

सात्विक और चिराग चीन मास्टर्स के फाइनल में कड़े मुकाबले में हारे

शेनझेन (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को एक बार फिर दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा जब वे रविवार को यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ की कोरिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी को फाइनल में अपने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन पहले गेम में 14-7 की मजबूत बढ़त बनाने बावजूद उन्हें मुकाबले में 45 मिनट में सीधे गेम में 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग की जोड़ी लगातार दूसरे फाइनल में लय में दिखी। विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद पूरे हफ्ते भारतीय जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। लेकिन उन्हें मजबूत स्थिति में होने के बावजूद पहला गेम गवाने का मलाल जरूर रहेगा।

किम और सियो अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग करने के बाद मौजूद सत्र में फिर से साथ

आए हैं। यह जोड़ी 2025 के अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और पहले ही छह खिताब जीत चुकी थी जिसमें पेरिस में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण और ऑल इंग्लैंड तथा इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी शामिल है। इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ डिफेंस के बीच की लड़ाई माना जा रहा था और किम तथा सियो ने बेहतर धैर्य और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

कोरियाई टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले गेम में 3-0 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार दमदार स्मैश के साथ वापसी की और स्कोर 6-6 कर दिया। चिराग के नेट पर सटीक शॉट ने भारतीय जोड़ी को ब्रेक तक 11-7 की बढ़त दिला दी और जल्द ही उन्होंने इसे 14-8 कर दिया। हालांकि कुछ गलतियां हुईं। एक वीडियो चैलेंज के असफल होने से सात्विक और चिराग की लय टूटी और कोरियाई जोड़ी ने अगले नौ में से आठ अंक जीतकर स्कोर 15-15 से बराबर कर दिया।

नेट पर चिराग की गलती ने कोरियाई जोड़ी को 19-17 की बढ़त दिला दी लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए सियो की गलती से स्कोर 19-19 कर दिया। बाएं हाथ के किम ने एक तेज विनर शॉट के साथ गेम प्वाइंट हासिल किया और चिराग ने इसके बाद शॉट बाहर मार दिया जिससे कोरियाई टीम ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 3-2 की बढ़त बनाई और फिर स्कोर 8-6 कर दिया। कोरियाई जोड़ी ने 9-9 पर बराबरी हासिल की और ब्रेक तक एक अंक की बढ़त बनाने में सफल रही।

खेल फिर से शुरू होने पर सियो ने नेट पर सर्विस मार दी लेकिन अगले ही प्वाइंट पर सात्विक की कमजोर सर्विस पर अंक जुटाया। चिराग के एक बार फिर शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने 15-11 के स्कोर पर चार अंक की बढ़त हासिल की। सियो ने अगले ही प्वाइंट पर फ्लैट शॉट लगाया लेकिन चिराग फिर से चूक गए और कोरियाई टीम 17-14 से आगे हो गई। एक बेहतरीन ड्रॉप शॉट ने कोरियाई टीम की बढ़त को 18-15 कर दिया। चिराग के दो बार शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने पांच मैच प्वाइंट हासिल किए जिसके बाद सात्विक ने बाहर शॉट मारकर खिताब कोरियाई टीम की झोली में डाल दिया।

हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा : बांग्लादेशी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन

स्पोर्ट्स डेस्क। बांग्लादेश ने टी20 एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, युवा सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने 45 गेंदों में 61 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। बांग्लादेश ने श्रीलंकाई टीम को चौंका दिया, हसन ने कहा कि टीम यूएई यह मानकर पहुंची थी कि वे फाइनल में पहुंचेंगे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैफ ने कहा, 'हां, बिल्कुल, हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा है, यहा आने से पहले, सभी को यकीन था कि हम फाइनल खेलेंगे।' 'हम एक कदम आगे हैं और अभी हमारे लिए दो मैच और बाकी हैं, और हमारा अगला ध्यान सिर्फ अगले मैच पर है।' 'जरूर, सपने देखने चाहिए और बड़े सपने देखने चाहिए, लेकिन हमें कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहिए। हमारा अगला ध्यान पूरी तरह से भारत के खिलाफ मैच पर होगा और उसके बाद के मैच का फैसला बाद में होगा।' मैच में पहले ओवर में विकेट गिरने के बाद, हसन ने नुवान तुषारा का सामना किया। उन्होंने पावरप्ले के ओवरों में कुल तीन छक्के लगाए। कप्तान लिटन दास ने उनका अच्छा साथ दिया। 6 ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 59/1 था। हसन ने खुलासा किया कि उनके पास कोई खास योजना नहीं थी, लेकिन उन्होंने मैदान पर पाबंदी के दौरान जवाबी हमला करने का फैसला किया। बांग्लादेश का अगला मैच 24 सितंबर को दुबई में भारत के खिलाफ होगा। सुपर-4 में वे एकमात्र टीम हैं जो लगातार दो दिन मैच खेलेगी। उनका आखिरी सुपर-4 मैच 25 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा।

जतिंदर सिंह ने भारतीय टीम से एनसीए में प्रशिक्षण की गुहार लगाई

अबु धाबी (एजेंसी)। जतिंदर सिंह की कप्तानी में ओमान टीम को एशिया कप 2025 में भारत के खिलाफ 21 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, हार के बावजूद ओमान के बल्लेबाजों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर 167 रन बनाए। आमिर कलीम ने 64 रन, हम्माद मिर्जा ने 51 और कप्तान जतिंदर ने 32 रन का योगदान दिया। मैच के बाद जतिंदर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से गुहार लगाई कि उनकी टीम को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में प्रशिक्षण की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की तकनीक, मानसिक तैयारी और फिटनेस में सुधार होगा और एसोसिएट देशों और टेस्ट खेलने वाले देशों के बीच की खाई पाटने में मदद मिलेगी।

जतिंदर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि अगर हम भारत को अपना दूसरा घर बना सकें, एनसीए में ट्रेनिंग ले सकें, टी20 मैच खेल सकें और क्लब तथा रणजी टीमों के साथ अभ्यास कर सकें, तो हमारे लिए यह बहुत फायदेमंद होगा। हम एक एसोसिएट नेशन हैं और हमें टेस्ट खेलने वाले देशों के साथ खेलने के मौके नहीं मिलते। ओमान की टीम पहली बार एशिया कप में खेली थी और ग्रुप ए के सभी मैच हारने के बावजूद जतिंदर ने अपने खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें खिलाड़ियों पर गर्व है और

जिस तरह उन्होंने हालात का सामना किया, वह काबिले तारीफ है।

भारतीय धरती पर तेज गेंदबाजों से सीरीज पलटने की उम्मीद है सैमी को

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भारतीय सरजमीं पर अपनी टीम के तेज गेंदबाजों की ताकत पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण इतना मजबूत और विविधता से भरा है कि किसी भी परिस्थिति में मैच का रुख पलट सकता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में और दूसरा 10 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। मीडिया से बातचीत में सैमी ने कहा, टीम में चार अलग-अलग तरह के तेज गेंदबाज हैं, जिनकी अपनी खासियतें हैं और यही हमारी असली ताकत है। शमर जोसेफ, जेडन सील्स, अल्जारी जोसेफ और एंडरसन फिलिप

सभी विभिन्न परिस्थितियों में विकेट निकालने में सक्षम हैं। इसके साथ ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स भी विकल्प के रूप में मौजूद हैं। उन्होंने विशेष रूप से शमर को कुशल, जेडन सील्स को गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने में माहिर और अल्जारी जोसेफ को अपने कद, गति और उछाल के कारण खतरनाक बताया। सैमी ने उम्मीद जताई कि उनका तेज गेंदबाजी संयोजन भारतीय हालात में भी बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होगा और टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता रखता है। कोच ने न्यूजीलैंड की भारत में पिछली साल की सफलता से भी प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा, पिछले साल कीवी टीम ने भारत में 3-0 से जीतकर इतिहास रचा। हमें उनसे सीखना चाहिए कि किन परिस्थितियों में उन्होंने कौन-सी रणनीति अपनाई। उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी भी परिस्थितियों को समझकर प्रदर्शन करेंगे। भारतीय हालात में पारंपरिक तौर पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहता है, लेकिन सैमी का मानना है कि उनकी तेज गेंदबाजी यूनिट इस बार असर दिखाएगी। उन्होंने कहा, टीम का यह संयोजन किसी भी विपक्षी बल्लेबाजी क्रम को चुनौती देने में सक्षम है। अब यह देखना बाकी है कि अहमदाबाद और दिल्ली में इंडीज के तेज गेंदबाज सैमी की उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं।

इरफान चाहते हैं इस गेंदबाज को टीम में शामिल करना, कहा- भारत को दूसरे तेज गेंदबाज की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में भारतीय टीम को अर्शदीप सिंह की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने बताया कि जसप्रीत बुमराह के अलावा अर्शदीप ही एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो लगातार यॉर्कर फेंक सकते हैं और विरोधी बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल बना सकते हैं।

पठान ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, 'मैं अपनी बात पर कायम रहूंगा, जो मैंने एशिया कप शुरू होने से पहले कही थी। मैं अर्शदीप को बुमराह के साथ खेलते देखना चाहूंगा क्योंकि ऐसी स्थिति आ सकती है जहां आपको दूसरे तेज गेंदबाज की जरूरत पड़ सकती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'जब गेंद गीली हो जाती है और आप दबाव में होते हैं तो क्या हार्दिक की ताकत छह यॉर्कर फेंकना है, या शिवम दुबे लगातार यॉर्कर फेंक सकते हैं।'

पठान ने यह भी स्वीकार किया कि भारतीय टीम वर्तमान में जीत की लय में है, इसलिए टीम प्रबंधन अंतिम एकादश में बदलाव नहीं करेगा और उसी गेंदबाजी संयोजन के साथ आगे बढ़ेगा जो उन्होंने टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ अपने पिछले मैच में इस्तेमाल किया था।

अर्शदीप ओमान के खिलाफ मैच में खेले

अर्शदीप को एशिया कप के पहले दो मैचों में भारत की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी, लेकिन ओमान के खिलाफ टीम के अंतिम ग्रुप चरण के मैच में वह शामिल थे। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने 4 ओवर के स्पेल में 37 रन देकर 1 विकेट हासिल किया और टी20 के इस प्रारूप में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।

ऊर्जा का उत्सव नवरात्री

नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ, अश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातो में तीन देवियों - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है - श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं । नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधाएँ अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासभंव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तूणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। निःस्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथास्तु कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गईं और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।

कैसे करें घट स्थापना

आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्रि की धूम नौ दिनों तक रहेगी। इन दिनों मां भगवती के नौ रूपों का पूजन-अर्चन होगा। आइए जानते हैं घटस्थापना कैसे करें -

- घटस्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए।
- नित्य कर्म और स्नान के बाद ध्यान करें।
- इसके बाद पूजन स्थल से अलग एक पाटे पर लाल व सफेद कपड़ा बिछाएं।
- इस पर अक्षत से अष्टदल बनाकर इस पर जल से भरा कलश स्थापित करें।
- इस कलश में शतावरी जड़ी, हलकुंड, कमल गट्टे व रजत का सिक्का डालें।
- दीप प्रज्वलित कर इष्ट देव का ध्यान करें।
- तत्पश्चात देवी मंत्र का जाप करें।
- अब कलश के सामने गेहूं व जौ को मिट्टी के पात्र में रोपें।
- इस ज्वारे को माताजी का स्वरूप मानकर पूजन करें।
- अंतिम दिन ज्वारे का विसर्जन करें।

नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

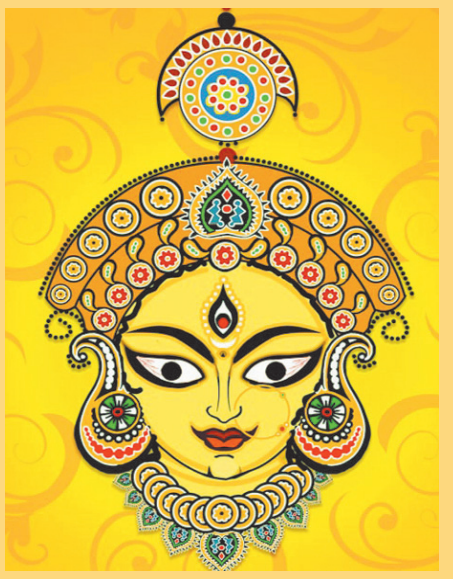

विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्यापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए

नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्धैरिविनाशन्नम।।

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर की पुलिस ने खोली हिस्ट्रीशीट, बढ़ेंगी मुश्किलें

गाजीपुर (एजेंसी)। नेता मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, दरअसल मुहम्मदाबाद पुलिस ने उनकी हिस्ट्रीशीट खोली है। उमर को पहले लखनऊ आवास से फर्जी हस्ताक्षर मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें फरार मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्सा अंसारी के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे। यहां बताते चलें कि दो दिन पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उमर अंसारी को जमानत दी थी, लेकिन जेल से बाहर आने से पहले पुलिस ने उसकी हिस्ट्रीशीट खोलकर नया पेंच फंसा दिया। पुलिस के मुताबिक, उमर अंसारी आईएस-191 गैंग का सक्रिय सदस्य है और वह धोखाधड़ी के जरिए सार्वजनिक जमीनों पर कब्जा करता है। इसके अलावा, वह चुनावी भड़काऊ भाषण देने और विवादों में शामिल होने के आरोपों में भी नामजद है। गाजीपुर, मऊ और लखनऊ में उसके खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, सरकारी संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, चुनावी अपराध और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम जैसी धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हिस्ट्रीशीट खुलने के बाद उमर अंसारी की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और खुफिया एजेंसियां भी उसकी हर हरकत पर अलर्ट हैं। जानकार मानते हैं कि मुख्तार परिवार की लगातार निगरानी और कानूनी दबाव बढ़ाना पुलिस-प्रशासन की रणनीति का हिस्सा है। गाजीपुर पुलिस अधीक्षक डॉ ई राजा ने बताया कि उमर अंसारी के ऊपर सात मुकदमे दर्ज हैं, जो गाजीपुर समेत कई जनपदों में विचाराधीन हैं।

कानपुर-दिल्ली फ्लाइट में दिखा चूहा मची हड़कंप, यात्रियों को किया डी-बोर्ड

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर एयरपोर्ट पर एक विमान में अचानक चूहे के दिखाई देने से हड़कंप मच गया। रविवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट में चूहे के केबिन में घूमते होने की सूचना मिलने पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी यात्रियों को डी-बोर्ड कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से कानपुर पहुंचने के बाद यह फ्लाइट दोपहर 2:50 बजे पुनः दिल्ली के लिए रवाना होने वाली थी। उड़ान भरने से कुछ समय पहले ही क्रू मेंबर ने केबिन में चूहे को देखा। इसके बाद एयरपोर्ट स्टाफ ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एयरलाइंस के टेक्निकल स्टाफ और ग्राउंड क्रू ने मिलकर विमान के हर हिस्से की गहन जांच की ताकि उड़ान के दौरान किसी तरह का खतरा न बने। इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट लाउंज में सुरक्षित स्थान पर बैठाया गया। यात्रियों ने घटना को लेकर हल्की नाराजगी जताई, लेकिन अधिकांश ने एयरलाइन के फैसले को सुरक्षा की दृष्टि से उचित माना। इस घटना पर एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना था कि जब तक चूहे का पता नहीं चल जाता और विमान पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं होता, तब तक उड़ान नहीं भरेगी। इसी के साथ ही एयरलाइन प्रबंधन ने कहा कि यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार जानकारी दी जा रही है।

निर्माणाधीन पुल के पास खुदे गड्ढे में डूबने से तीन चचेरी बहनों की मौत

बहराइच (एजेंसी)। यूपी के बहराइच जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के कोडरी गांव में बरसात के पानी से भरे गड्ढे में शनिवार को डूबने से तीन नाबालिग चचेरी बहनों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार के एक सदस्य ने बताया कि चित्तौरा झील के पास निर्माणाधीन पुल के निकट जेसीबी से गहरा गड्ढा खोदा गया था और उसमें बारिश का पानी भर गया था वह तालाब जैसा लग रहा था। चित्तौरा मसीहाबाद गांव निवासी प्रियांशी, दिव्या और लक्ष्मी तीन की उम्र करीब छह-सात साल थी। घर से खेलने निकली थीं और गड्ढे के किनारे खेलते समय उसमें डूब गईं। उन्होंने बताया कि गोताखोरों की मदद से बच्चियों को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सदर क्षेत्र की एसडीएम ने बताया कि तीनों बच्चियों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और उनके परिजनों को सरकारी सहायता दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले में कार्रवाई की जा रही है।

चर्चाओं में नीता अंबानी का 50 करोड का नेकलेस

मुंबई (एजेंसी)। शाहरुख खान के बेटे आयरन खान ने वेब सीरीज द बेड्स ऑफ बॉलीवुड वेब सीरीज का डेब्यू किया। इसमें शाहरुख खान ने बेटे को निदेशक के रूप में लॉन्च किया है। इस लॉन्चिंग में नीता अंबानी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुई थी। उन्होंने एक दुर्लभ नेकलेस जिसकी कीमत लगभग 50 करोड रुपए बताई जा रही है। उसको पहनकर कार्यक्रम में शामिल हुई थी। इस नेकलेस में पाराइबा और हार्ट शेप डायमंड जड़े हुए हैं। इस नेकलेस की कीमत वर्तमान में 50 करोड रुपए की बताई जा रही है।

चुनाव आयोग एक्शन में, बीजेपी और डीएमके के सहयोगी दलों समेत 42 तमिल पार्टियों के रजिस्ट्रेशन किए रद्द

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग निष्क्रिय राजनीतिक दलों के खिलाफ सख्त हो गया हैं। आयोग ने अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की 42 पार्टियों का रजिस्ट्रेनश रद्द कर दिया है, इनमें सत्ताधारी डीएमके और बीजेपी के सहयोगी दल भी शामिल हैं। आयोग ने लगातार 6 साल तक चुनाव न लड़ने पर देशभर में 474 राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है। चुनाव आयोग के इस सफाई अभियान की जद में अकेले तमिलनाडु की 42 पार्टियां आई हैं।

तमिलनाडु में पिछले तीन वित्तीय सालों (2021-22, 2022-23, 2023-24) में अपना सालाना ऑडिट अकाउंट जमा नहीं करने वाले 39 और राजनीतिक दलों की पहचान की गई है। ये ऐसे दल हैं जिन्होंने चुनाव तो लड़ा, लेकिन चुनाव खर्च की रिपोर्ट दाखिल नहीं की। राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन के लिए बनाई गई गाइडलाइन में कहा है कि अगर कोई पार्टी लगातार छह साल तक चुनाव नहीं लड़ती है, तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से बाहर कर दिया जाएगा। इस नियम के तहत 42 तमिल पार्टियों पर एक्शन लिया गया है।

आयोग ने जिन तमिल पार्टियों पर एक्शन लिया है उनमें, पापनासम के विधायक एमएच जवाहिरुल्ला के नेतृत्व में मनिथानेया मक्कल काची (एमएमके), थिरुचेंगोडे के विधायक ईआर ईश्वरन के नेतृत्व में कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) और जॉन पांडियन के नेतृत्व में तमिलागा मक्कल मुनेत्र कड़गम शामिल हैं। एमएमके, जिसके दो विधायक हैं और केएमडीके, जिसका एक विधायक और एक सांसद है, उन्होंने पिछला विधानसभा और लोकसभा चुनाव डीएमके के टिकट पर लड़ा था। चुनाव आयोग का यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि एमएमके और केएमडीके दोनों ही सत्तारूढ़ डीएमके की सहयोगी हैं।

बीजेपी की सहयोगी जॉन पांडियन की टीएमएमके ने पिछला लोकसभा चुनाव तेनकासी में कमल के निशान पर लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, जबकि तमीमुन अंसारी की एमजेके, जिसने 2016 का विधानसभा चुनाव एआईएडीएमके के चुनाव चिन्ह पर लड़ा था, इसके बाद के पार्टी चुनावों से दूर रही। इस तरह सूची से हटाई गई अन्य पार्टियों में थमिमुन अंसारी के नेतृत्व वाली मणिथानेया जननायगा काची शामिल है, जिसने नागपट्टिनम सीट से चुनाव लड़ा था। एनआर धनपालन के नेतृत्व वाली पेरुंथलाइवर मक्कल काची, जिसने पेरम्बूर सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली, दोनों ही 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके के टिकट पर चुनाव लड़े थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आयोग का कहना है कि चुनावी प्रणाली को साफ-सुथरा बनाने की व्यापक और सतत रणनीति के तहत पिछले छह साल में चुनाव नहीं लड़ने और बाकी मानदंडों का उल्लंघन करने की वजह से कुल 474 पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया गया है। आयोग की तरफ से राजनीतिक पार्टियों की लिस्ट को ज्यादा पादर्शी बनाने के लिए बड़े पैमाने पर यह कैंपेन चलाया जा रहा है। पिछले दो महीने में कुल 808 राजनीतिक दलों को सूची से बाहर किया जा चुका है। साथ ही आयोग ने 359 अन्य गैर-मान्यता प्राप्त सियासी दलों को सूची से हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अगर ये सियासी दल जरूरी दस्तावेज और शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो जल्द ही आयोग इन पार्टियों को भी अपनी सूची से हटा सकता है, जिससे बाद पंजीकृत पार्टियों की लिस्ट से हटाए जाने वाले दलों की कुल संख्या 833 हो जाएगी।

चुनाव आयोग के जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त सियासी दलों को आयोग में रजिस्टर्ड किया जाता है। रजिस्ट्रेशन के बाद इन पार्टियों को चुनाव चिन्ह, टैक्स छूट जैसे विशेष अधिकार हासिल होते हैं, लेकिन नियमों के मुताबिक अगर कोई राजनीतिक दल लगातार छह साल तक कोई चुनाव नहीं लड़ता है, तो उसे रजिस्टर्ड पार्टियों की सूची से हटा दिया जाता है।

लालू की बेटी रोहिणी ने बनाई पार्टी से दूरी, आरजेडी नेताओं को किया अनफॉलो

- माता-पिता और भाई तेजस्वी के साथ लगी फोटो हटाकर अपनी फोटो लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लालू यादव की बेटी और राजद नेता रोहिणी आचार्य अब पार्टी से दूरी बनाती नजर आ रही हैं। संजय यादव को लेकर किए पोस्ट के बाद रोहिणी ने काफी समय तक अपने सोशल मीडिया अकाउंट को निजी करके रखा था। वहीं अब उनका अकाउंट सार्वजनिक हो गया है तो उसमें कई सारे बदलाव हुए हैं। रोहिणी ने आरजेडी के तमाम नेताओं को अनफॉलो कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने लालू, राबड़ी और तेजस्वी के साथ लगी फोटो भी हटा दी है। उन्होंने अब अपनी अकेले फोटो लगाई है। बता दें संजय यादव को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने के बाद विवाद काफी बढ़ गया है। रोहिणी ने पोस्ट को डिलीट कर दिया है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर भी परिवार और पार्टी से दूरी बना ली है। इसके अलावा रोहिणी ने अपने एक्स अकाउंट से आरजेडी समेत सभी 58 राजनेताओं को अनफॉलो कर दिया है। पहले वह 61 प्रोफाइल को फॉलो करती थीं, लेकिन अब यह सिर्फ 3 रह गई है। ये तीनों लोग भी राजनीति से हटकर हैं। बता दें इससे पहले रोहिणी ने शनिवार को दिन भर सोशल मीडिया अकाउंट को प्राइवेट भी कर दिया था। हालांकि शाम तक उन्होंने अकाउंट फिर खोल दिया। बता दें रोहिणी से जुड़ा हालिया विवाद एक्स पर की गई एक पोस्ट से शुरू हुआ। 18 सितंबर को रोहिणी ने एक पोस्ट की थी, जो आरजेडी के आंतरिक कलह को उजागर कर रही थी। यह पोस्ट मुख्य रूप से तेजस्वी यादव के करीबी राज्यसभा सांसद संजय यादव पर निशाना साधते हुए की गई थी, जिन्हें रोहिणी ने सबस्टैंडर्ड व्यक्ति बताया था। हालांकि रोहिणी ने बाद में यह पोस्ट हटा दी थी।

डिप्टी सीएम शिंदे का एक्स अकाउंट हैक कर पाकिस्तान और तुर्की के झंडों वाले पोस्ट किए, मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) अकाउंट को सुबह-सुबह हैक कर लिया गया। हैकर्स ने अकाउंट पर पाकिस्तान और तुर्की के राष्ट्रीय झंडों वाली पोस्ट साझा कीं, जिनमें से कुछ को तुरंत ही हटाया गया। शिंदे के कार्यालय ने बताया कि तकनीकी टीम ने तुरंत कार्रवाई कर अकाउंट को 30 से 45 मिनट के भीतर रिकवर कर लिया और अकाउंट अब सामान्य रूप से सक्रिय है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित टीम ने साइबर क्राइम सेल को सूचित किया और जांच शुरू कर दी गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हैकिंग के समय यह गतिविधि उस दिन हुई जब भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप का मुकाबला भी खेला जाना था, जिससे सोशल मीडिया पर तेज प्रतिक्रिया और चिंता देखी गई। विपक्ष और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने राजनीतिक अकाउंट्स की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए हैं। शिंदे कार्यालय की ओर से कहा गया है, कि सोशल मीडिया टीम ने तत्काल पासवर्ड बदलकर और प्लेटफॉर्म से दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (2एफए) लागू कर अकाउंट सुरक्षित कर लिया। फिलहाल मामले की तकनीकी और फोरेंसिक जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हैकिंग किस स्रोत या ग्रुप द्वारा की गई और क्या इसका राजनीतिक या साइबर-क्रिमिनल मकसद था।

इस संबंध में विषय विशेषज्ञों का कहना है कि राजनेताओं और सार्वजनिक हस्तियों के सोशल मीडिया अकाउंट सुरक्षा की दृष्टि से प्रमुख लक्ष्य बन गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में उच्च-प्रोफाइल हैकिंग और डेटा लीक की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जिससे टेलीकॉम, वित्तीय सेवा तथा सरकार की सूचनात्मक प्रणालियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। एक्सपर्ट्स का सुझाव है कि सार्वजनिक खाता संचालक नियमित रूप से अकाउंट ऑडिट, मजबूत पासवर्ड नीति और मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अपनाए जाने चालिए।

चुनाव लड़ने की उम्र घटाने की सिफारिश से चुनाव आयोग नहीं रखता इत्तेफाक

-कहा- इस अवस्था में परिपक्वता नहीं आती कि युवा अहम जिम्मेदारी संभाल सकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव लड़ने की उम्र 21 साल करने को लेकर संसद की स्थायी समिति की सिफारिश से चुनाव आयोग इत्तेफाक नहीं रखता। चुनाव आयोग को इस बाबत समिति के सुझाव वाली रिपोर्ट मिली तो उसने सहज प्रतिक्रिया राय समिति को भेजी कि वह चुनाव लड़ने की उम्र घटाने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि 18 साल की उम्र में अगर एक वोट दे भी दिया तो इस अवस्था में इतनी परिपक्वता नहीं आती कि युवा संसद या विधान मंडल जैसे अहम पद की जिम्मेदारियों को संभालने और समझने की गंभीरता हासिल कर ले।

संसद की स्थायी समिति की अगुआई बीजेपी सांसद बृजलाल कर रहे हैं। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित और नए जमाने की सोच वाले युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से रूबरू कराने देश को चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल करने पर फिर से विचार करना चाहिए। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव को गति देने के बाद देशभर में कम से कम आठ करोड़ और युवा चुनाव लड़ने की योग्यता पूरी करने लायक हो जाएंगे।

स्थायी समिति ने विधि और न्याय मंत्रालय को मशविरा देने के लिए भेजी रिपोर्ट के साथ उम्मीद जताई कि कई विभागों के बीच इस प्रस्ताव पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। इससे युवा संगठनों, संविधान विशेषज्ञों, सामाजिक और नागरिक संगठनों के हितधारकों को शामिल कर उनकी राय ली जाए। बता दें चुनाव लड़ने की उम्र घटाने की एक सिफारिश 2023 में भी गई थी, तब चुनाव लड़ने की उम्र 25 साल से घटाकर 18 साल करने की सिफारिश की गई थी। अगस्त 2023 में संसद की स्थायी समिति ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 18 साल करने की सिफारिश की थी।

समिति ने पश्चिमी देशों मसलन कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों की नकल में यह सिफारिश की थी। इन देशों में मतदान करने और चुनाव लड़ने की उम्र एक समान है। भारत में फिलहाल कुल मतदाता एक अरब के आसपास हैं यानी कुल 99 करोड़ से ज्यादा। उनमें से 20 से 29 साल के औसत वाले 19 करोड़ 74 लाख मतदाता हैं, जबकि इनमें भी 21 से 25 साल की उम्र के बीच 8 करोड़ मतदाता हैं। देशभर में 18 से 19 साल के मतदाता 1 करोड़ 84 लाख हैं।

जांच में खुलासा : सुपारी देकर कराई गई दिशा पाटनी के घर फायरिंग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग मामले में पुलिस जांच के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। इस वारदात को सुपारी देकर अंजाम दिलाया गया है। जांच में सामने आया है कि फायरिंग की जिम्मेदारी संभालने वाले रविंद्र और उसका साथी अरुण, एसटीएफ मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं। वहीं, रेकी के लिए ऐसे बदमाशों को मोहरा बनाया गया जिनकी कोई क्रिमिनल हिस्ट्री नहीं थी। दिल्ली स्पेशल सेल ने रेकी करने वाले बागपत के दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। अब बरेली पुलिस भी इन नाबालिगों से जल्द पूछताछ करेगी, ताकि इस वारदात की पूरी साजिश का खुलासा हो सके। दिशा के घर फायरिंग के बाद पड़ोसियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। पूरी गली की किलेबंदी कर दी गई है, लेकिन पड़ोसियों के दिलों दिमाग पर आज भी घटना वाली रात की तस्वीर ताजा है। पड़ोसियों की माने तो आज तक इस गली में कभी भी कोई विवाद तक नहीं हुआ था। मगर, दुश्मनी पाटनी जी की और दहशत हम लोगों को मिली है। जब से दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की वारदात हुई है तब से लेकर अब तक इस गली में आने जाने वाले हर एक इंसान कि पहले सघन तलाशी ली जाती है। उसके बाद उसे आगे भेजा जाता है। पड़ोसियों का साफ तौर पर कहना है कि पाटनी के घर पर फायरिंग के बाद उनकी स्वतंत्रता छीन गई है।

दिल्ली में मौसम हुआ साफ तो गर्मी ने दिखाए तेवर, उत्तराखंड-बिहार में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मौसम साफ है। यहां आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की उम्मीद है। इस तरह से यूपी के भी ज्यादातर जिलों में बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि बिहार और उत्तरांखड के कई जिलों में बारिश होने की आशंका जताई जा रही है। बीते दिनों बारिश की वजह से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में बाढ़ जैसे हालात हो गए थे। फिलहाल इन राज्यों में बारिश का मिला-जुला असर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में पिछले कई दिनों से मौसम साफ है। मौसम विभाग की मानें तो आज भी बारिश होने की उम्मीद नहीं है। वहीं लगातार तेज धूप की वजह से दिल्ली-एनसीआर के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। मौसम विभाग के मुताबिक आज भी दिल्ली-एनसीआर के इलाके में बादलों की आवाजाही जारी रहेगी, लेकिन बारिश की उम्मीद नहीं है।

यूपी के ज्यादातर जिलों में बारिश नहीं होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि यहां कुछ जिलों में बारिश हो भी सकती है। मौसम विभाग की मानें तो यूपी में भी अगले कई दिनों तक बारिश की संभावना नहीं है। इसके अलावा बिहार के कई जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि बिहार के कई जिलों में अगले चार-पांच दिनों तक हल्की बारिश हो सकती है। इसका तापमान पर खास असर नहीं होगा, लेकिन बारिश की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

वहीं मध्य प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए कई जिलों में अलर्ट जारी किया है। मप्र के बड़वानी, अलीराजपुर और धार जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान आंधी और बिजली गिरने को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने भोपाल, विदिशा, रायसेन, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, ग्वालियर और भिंड समेत 27 जिलों में भी गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है।पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड में फिलहाल बारिश से राहत के आसार जताए जा रहे हैं। हालांकि कुछ पहाड़ी जिलों में आज भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा 24 सितंबर के बाद उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। इसी तरह से हिमाचल प्रदेश में भी मौसम फिलहाल साफ रहेगा। इस दौरान प्रशासन की ओर से सड़कों को फिर से खोलने की कवायद की जा रही है। पिछले दिनों हुए भूस्खलन की वजह से हिमाचल प्रदेश में कई सड़कें बंद कर दी गईं थीं।

गरबा आयोजनों को लेकर विहिप ने जारी की एडवाइजरी, केवल हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति

-एंट्री गेट पर जांच के साथ हो पूजा करने का प्रावधान, विवाद शुरु

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नवरात्रि से पहले गरबा आयोजनों को लेकर विवाद छिड़ गया है। दरअसल विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शनिवार को एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, कि राज्य के गरबा-डांडिया कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति दी जाए। विहिप ने आयोजकों से कहा कि एंट्री गेट पर आधार कार्ड की जांच की जाए और प्रवेश से पहले प्रतिभागियों को तिलक लगाया जाए, हाथों में रक्षा सूत्र बांधा जाए तथा किसी हिंदू देवी-देवता की पूजा की जाए।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने कहा कि गरबा सिर्फ नृत्य नहीं, बल्कि देवी को प्रसन्न करने की एक पूजा पद्धति है। इसलिए केवल वे लोग इसमें भाग लें, जिनकी आस्था देवी-देवताओं में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस तरह के कदम लव जिहाद जैसे मामलों को रोकने के लिए जरूरी हैं। विहिप की इस एडवाइजरी पर राज्य की राजनीति गरमा गई है। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आयोजकों को यह अधिकार है कि वे अपने कार्यक्रमों में नियम तय करें। उन्होंने कहा कि यदि आयोजकों को पुलिस से अनुमति है, तो उन्हें किसी भी नियम को लागू करने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों ने भी गरबा को हिंदू आयोजन बताते हुए गैर-हिंदुओं की भागीदारी का विरोध किया है।

विपक्ष बोला- सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने की हो रही कोशिश

विपक्षी दलों ने विहिप और भाजपा पर समाज में सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने का आरोप लगाया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि देश में सांप्रदायिक जहर फैलाने की कोशिश की जा रही है, जो महाराष्ट्र और देश दोनों के लिए घातक है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने इसे समाज को धर्म के नाम पर बांटने की साजिश बताते हुए भाजपा पर हमला बोला। बता दें कि इस साल नवरात्रि 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक मनाई जाएगी।

क्या बिहार में लालू यादव के मुस्लिम-यादव समीकरण में सेंधमारी कर देगा मोदी मैजिक

-इस बार कहीं यादव वोटर तेजस्वी को झटका नहीं दे दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के केंद्र में हमेशा से ही जाति रही है। प्रदेश की आबादी में यादव समुदाय करीब 14 प्रतिशत है। जो प्रदेश में अन्य किसी भी जाति से अधिक है। जाहिर है कि बिहार की राजनीति इसी जाति के इर्द गिर्द घूमती है। 2020 के विधानसभा चुनावों में यादवों के बल पर ही आरजेडी प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। ये बात अलग है कि बीजेपी और जेडीयू ने तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने पर ग्रहण लगा दिया।

हालांकि 2 साल बाद ही नीतीश बीजेपी से नाता तोड़कर आरजेडी के साथ आ गए। तेजस्वी डिप्टी सीएम बने और तेजप्रताप को भी मलाईदार मंत्रालय मिला। लेकिन फिर लालू परिवार के दबाव से परेशान होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर पलटी मारी और एनडीए के साथ आ गए। तब से अब तक नीतीश एनडीए के साथ हैं और बिहार की सीएम कुर्सी पर विराजमान हैं। 2025 में फिर आरजेडी को उम्मीद है कि यादव और मुस्लिम मतदाता उनके साथ हैं। पर लोकसभा चुनावों में आरजेडी को मिली मात से ऐसा लगता है कि यादव वोटर्स का आशीर्वाद लालू परिवार को उस तरह से नहीं मिल रहा है जिस तरह से मिला करता था। जाहिर है कि अगर ऐसा विधानसभा चुनाव में होता है, तब आरजेडी एक बार सत्ता से बहुत दूर रह जाएगी।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव ने 1990 के दशक से यादवों को सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों की आवाज और एमवाय (मुस्लिम-यादव) गठजोड़ के नाम पर एकजुट किया। तब से यादव वोट लालू परिवार (लालू, राबड़ी देवी, तेज प्रताप और तेजस्वी यादव) की विरासत बन गया। लेकिन 2025 विधानसभा चुनावों से पहले इसके दरकने के संकेत मिलने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मोदी मैजिक विकास, कल्याण योजनाओं और हिंदुत्व के मिश्रण ने यादव वोटों में सेंध लगाई है। अगर 2024 लोकसभा चुनावों जितना भी यादव आरजेडी से दूर हुए तब पार्टी का बैंड बजना तय है।

राजद का वोट बैंक एमवाय समीकरण पर टिका है, जो बिहार में करीब 32 प्रतिशत बनता है। राजद ने महागठबंधन (राजद-कांग्रेस-वामपंथी) के साथ 144 सीटों पर चुनाव लड़ा और 75 सीटें जीतीं और राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनी। यादव-बहुल क्षेत्रों जैसे सारण, मधेपुरा, सुपौल और झंझारपुर में राजद का जलवा दिखा। सारण जिले (यादव बहुल) में महागठबंधन ने 10 में से 7 विधानसभा सीटें जीतीं। कुल वोट शेयर 23.11 प्रतिशत था, जिसमें यादव वोटों का बड़ा हिस्सा (70-80 प्रतिशत) लालू की पार्टी को मिला। जाहिर है कि आरजेडी अपनी इस सफलता को दुहराना चाहेगी।

लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव आते आते बिहार में राजद ने 23 सीटों पर चुनाव लड़ा और 4 सीटें ही जीत सकी। पाटलीपुत्र (मीसा भारती), जहानाबाद (सुरेंद्र प्रसाद यादव), औरंगाबाद (अभय कुशवाहा), और बक्सर (सुधाकर सिंह) ही अपनी सीट जीत सके। राजद ने 8 यादव उम्मीदवार उतारे, जिसमें से 2 (मीसा भारती और सुरेंद्र प्रसाद यादव) को विजय मिली। अन्य यादव उम्मीदवार जैसे रोहिणी आचार्य (सारण), ललित कुमार यादव (दरभंगा), और जय प्रकाश नारायण यादव (बांका) चुनाव हार गए। मोदी का मैजिक 2014 से यादवों पर असर दिखा रहा है। एनडीए ने विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर, कल्याण) और हिंदुत्व को मिलाकर राजद के जातिगत नैरेटिव को चुनौती दी। 2025 चुनावों में यह और तेज हुई है, क्योंकि बिहार में बेरोजगारी (7.6 प्रतिशत, सीएमआईई 2025) और प्रवासन जैसे मुद्दों पर एनडीए ने ठोस कदम उठाए हैं। एनडीए सरकार ने बिहार को केंद्र से 9.23 लाख करोड़ का पैकेज दिया (कांग्रेस के 2.80 लाख करोड़ के मुकाबले) कहीं अधिक था। पीएम किसान (10,000 रुपये सालाना), उज्ज्वला (फ्री गैस), फ्री राशन और पीएमएवाय ने यादव किसानों/मजदूरों को लुभाया है।

राम मंदिर, अयोध्या यात्रा और विकास राज बनाम जंगल राज नैरेटिव ने यादवों को जोड़ा है। बीजेपी ने यादव उम्मीदवार उतारे, जैसे दरभंगा में गोपाल जी ठाकुर। 2025 में मोदी की मोतिहारी-सीवान रैलियों में हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट मिले। जाहिर है कि यादव इलाकों में मोदी सरकार लेकर उत्साह है। दरअसल यूपी-बिहार का वोटिंग पैटर्न रहा है कि जहां यादव वोट जाते रहे हैं वहां अति पिछड़ों का वोट नहीं जाता है। 2024 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने इस पहली बार समझा। उन्होंने केवल 5 यादवों को टिकट दिया, जबकि 2019 में उन्होंने 10 यादवों को टिकट दिया था। गैर यादव ओबीसी और ईबीसी (अति पिछड़ों) को 2019 में जहां समाजवादी पार्टी ने केवल 6 सीट दिया था वहीं 2024 में 23 सीट दिया। इसका फायदा हुआ। प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने बीजेपी से बढ़त हासिल कर ली। जाहिर है कि यही प्रवृत्ति बिहार में भी दिख रही है। इसलिए आरजेडी भी इसी नीति पर चल सकती है। पर आरजेडी की दुविधा यह है कि 2020 के चुनावों में यादव कैंडिडेट्स की जीत की स्ट्राइक सबसे शानदार रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

खुदाई के दौरान मिला 450 किलो का 100 साल पुराना जिंदा बम, मच गई अफरा-तफरी

हॉन्ग कॉन्ग, एजेंसी। हॉन्ग कॉन्ग में दूसरे विश्वयुद्ध का करीब 100 साल पुराना बम मिलने के बाद अफरा-तफरी मच गई। एक इमारत के निर्माण के दौरान जब भारी-भरकम बम मिला तो प्रशासन तुरंत ऐक्टिव हो गया और पूरा इलाका खाली करवा लिया गया। बम से मची दहशत के बीच करीब 6000 लोगों को उस इलाके से दूर भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक इस बम का वजन 450 किलो के आसपास है और इसकी लंबाई 1.5 मीटर है। पुलिस का कहना है कि बम बेहद खतरनाक है और इसे नष्ट करने के दौरान भी फटने का खतरा है। बम को डिस्पोज करने का अभियान तुरंतशुरू कर दिया गया था। स्थानीय मीडिया के मुताबिक आसपास की 18 बिल्डिंगों को खाली करवा दिया गया। इसके बाद पुलिस ने डोर टु डोर जाकर मुआयना किया कि कोई बचा तो नहीं है। बता दें कि दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान हॉन्ग-कॉन्ग और जापान के बीच भीषण युद्ध हुआ था। यहां अब भी कई बार खुदाई के दौरान फटे हुए बमों के अवशेष मिल जाते हैं। साल 2018 में इसी तरह का बम वान चाई जिले में पाया गया था। इसके बाद 1200 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना पड़ा था। इस बम को नष्ट करने में करीब 20 घंटे का समय लग गया था।

ट्रंप का न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा खारिज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा के एक संघीय न्यायाधीश ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 1,32,117 करोड़ रुपये की मानहानि के मुकदमे को खारिज कर दिया। मुकदमे में टाइम्स के पत्रकार रस ब्यूटनर और सुजैन क्रेग की लिखी एक किताब और एक लेख का हवाला दिया गया है, जो ट्रंप के वित्त और राष्ट्रपति पद से पहले टेलीविजन कार्यक्रम द अप्रेंटिस में उनकी मुख्य भूमिका पर केंद्रित है। ट्रंप ने मुकदमे में कहा कि उन्होंने दुर्भावनापूर्ण तरीके से तथ्यहीन कहानी फैलाई कि टेलीविजन निर्माता मार्क बर्नेट ने ट्रंप को एक सेलिब्रिटी बना दिया। हालांकि, प्रकाशन के समय और उससे पहले प्रतिवादियों को पता था कि राष्ट्रपति ट्रंप पहले से ही एक मेगा-सेलिब्रिटी और व्यवसाय में एक बड़ी सफलता थे।

ट्रंप का हमला, बोले- दुनिया के सबसे खराब मेयरों में से एक हैं सादिक खान

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लंदन के मेयर सादिक खान पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने एयरफोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि खान को उनके सम्मान में आयोजित राज्य भोज में आमंत्रित न करने का अनुरोध उन्होंने खुद किया था। ट्रंप ने खान को दुनिया के सबसे खराब मेयरों में से एक बताया और उन पर अपराध व आप्रवासन में विफल रहने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा, मैं नहीं चाहता था कि वे भोज में आएं। दौरे के अंत में ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया का हेलिकॉप्टर तकनीकी समस्या के चलते स्थानीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। इसके बाद वे दूसरे हेलिकॉप्टर से स्टानस्टेड एयरपोर्ट पहुंचे। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह महज एहतियाती कदम था।

रूसी जेट विमानों ने 12 मिनट तक हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया : नाटो

एस्टोनिया, एजेंसी। यूरोपीय देश और नाटो के सदस्य एस्टोनिया में शुक्रवार को रूसी सैन्य विमान काफी देर तक मंडराते रहे। हवाई क्षेत्र का उल्लंघन सुबह राजधानी ताल्लिन से 100 किलोमीटर दूर वैडलू द्वीप के क्षेत्र में हुआ। इससे पहले 9-10 सितंबर की रात 20 से ज्यादा रूसी ड्रोन पोलिश हवाई क्षेत्र में घुसे थे। तब नाटो के विमानों ने उनमें से कुछ विमानों को मार गिराया था। हवाई क्षेत्र का यह उल्लंघन रूसी और बेलारूसी सैन्य बलों की ओर से जापद 2025 नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास समाप्त होने के तीन दिन बाद हुआ है। एस्टोनिया सरकार ने कहा कि रूस के तीन मिग-31 लड़ाकू विमान बिना अनुमति के एस्टोनियाई हवाई क्षेत्र में घुसे थे।

अमेरिका सीनेट ने माइक वॉल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप का राजदूत मंजूर किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को माइक वॉल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त करने की मंजूरी दे दी। इसके साथ ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैबिनेट में पिछले आठ महीनों से खाली पड़ा अंतिम पद भर गया है। हालांकि, सीनेट ने उस अलग प्रस्ताव पर मतदान नहीं किया जिसमें वॉल्ट्ज को औपचारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका का प्रतिनिधि घोषित किया जाना था। वहीं, अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि न्यूयॉर्क में अगले हफ्ते होने वाले वार्षिक महासभा सत्र में वॉल्ट्ज किस रूप में भाग ले पाएंगे।

अमेरिका एच 1-बी वीजा के लिए 88 लाख रुपए वसूलेगा : पहले 6 लाख रुपए तक लगते थे

8.8 करोड़ रुपए में स्थायी निवास; सबसे ज्यादा भारतीयों पर असर, राष्ट्रपति ट्रंप का बयान- एच 1-बी वीजा का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने शुक्रवार को एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर पांबदी लगाई गई है और वीजा का इस्तेमाल करके विदेश से कर्मचारी लाने पर कंपनियों पर हर साल एक लाख अमेरिकी डॉलर का भारी शुल्क लगाया है। यह फैसला भारत जैसे देशों से कामगार लाने वाली कंपनियों को प्रभावित करेगा। ट्रंप ने शुक्रवार को कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध नाम के घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया है कि जिन एच1-बी वीजा आवदेन के साथ एक लाख डॉलर का भुगतान नहीं किया गया है, उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। घोषणा में ट्रंप ने कहा, एच-1बी वीजा कार्यक्रम को अमेरिका में अस्थायी रूप से काम करने वाले कुशल लोगों के लिए बनाया गया था, लेकिन इसे जानबूझकर इस तरह इस्तेमाल किया गया कि अमेरिकी श्रमिकों को हटाकर कम वेतन वाले और कम कुशल विदेशी कामगारों को उनकी जगह पर रखा गया। उन्होंने कहा कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है। देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन आउटसोर्सिंग कंपनियों की जांच की है, जो एच-1बी वीजा पर ज्यादा निर्भर हैं। इन कंपनियों पर विदेशी कामगारों को अमेरिका लाने के लिए वीजा धोखाधड़ी, धनशोधन की साजिश और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। ट्रंप ने कहा कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम के दुरुपयोग के रोकने के लिए कंपनियों पर ज्यादा शुल्क लगाना जरूरी है, ताकि वे अस्थायी रूप से काम करने के लिए केवल सबसे कुशल कामगारों को ही नियुक्त करें। घोषणापत्र में कहा गया कि इस वीजा कार्यक्रम के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग ने अमेरिका की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। इसलिए ऐसे विदेशी कामगारों का बिना किसी रोक-टोक अमेरिका में प्रवेश देश के हितों के खिलाफ होगा और इससे अमेरिकी कामगारों को वेतन कम होने जैसे नुकसान होंगे। ट्रंप ने आदेश दिया कि गृह सुरक्षा विभाग उन एच-1बी आवेदनों को स्वीकार न करे, जिनके साथ एक लाख डॉलर का भुगतान न किया गया हो और जो काम अमेरिका के बाहर के हैं। यह आदेश 21 सितंबर से अगले 12 महीनों तक प्रभावी रहेगा।

इस कदम के पीछे व्हाइट हाउस दे रहा ये दलील : राष्ट्रपति ट्रंप के इस फैसले को लेकर व्हाइट हाउस ने प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस के स्टाफ सेक्रेटरी विल शार्फ का कहना है कि यह कदम अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करने और वीजा प्रणाली के दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि एच-1बी दुनिया का सबसे दुरुपयोग किया जाने वाला वीजा है। ऐसे में अब अमेरिका में सिर्फ वही लोग आएंगे, जो वास्तव में अत्यधिक कुशल हैं और उनकी जगह अमेरिकी कर्मचारी नहीं ले सकते।

भारतीय होंगे सबसे ज्यादा प्रभावित : अमेरिका के इस कदम से वहां रहने वाले भारतीय सर्वाधिक प्रभावित होंगे। इस बदलाव से अमेरिका में भारतीय आईटी इंजीनियरों की नौकरियों पर खतरा आएगा। वित्त वर्ष 2023-24 में दो लाख से ज्यादा भारतीयों ने एच1-बी वीजा हासिल किया था। भारत पिछले साल एच-1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी था। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2023 के बीच स्वीकृत वीजा में 73.7 फीसदी वीजा भारतीयों के थे। चीन 16 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर था। कनाडा 3फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर, उसके बाद ताइवान (1.3फीसदी), दक्षिण कोरिया (1.3फीसदी), मैक्सिको (1.2फीसदी) और नेपाल, ब्राजील, पाकिस्तान और फिलीपींस (सभी 0.8फीसदी) हैं। ऐसे में अब नए आदेश के मुताबिक, विदेशी पेशेवरों को काम पर रखने वाली कंपनियों को हर साल सरकार को 1 लाख डॉलर का शुल्क देना होगा। यह तीन साल की वीजा अवधि और उसके रिन्यूअल में भी लागू होगा। यानी यदि ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया लंबी होती है, तो कंपनियों को कई वर्षों तक यह बड़ी फीस चुकानी होगी।

लीबिया के तट पर प्रवासियों से भरी नाव डूबी; कम से कम 19 लोगों की मौत, 42 लापता

काहिरा, एजेंसी। लीबिया के पूर्वी तट पर रबर से बनी एक प्रवासी नाव डूब गई। हादसे में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 42 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (ढ्ढह्ररू) ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को नाव डूबने के बारे में जानकारी दी। यह नाव 9 सितंबर को कंबाउट शहर के पास समुद्र तट से रवाना हुई थी और उसी दिन डूब गई थी। इसमें 70 से अधिक सूडान और दक्षिण सूडान के नागरिक सवार थे। ढ्ढह्ररू के प्रवक्ता ने बताया कि 14 लोगों को पांच दिन बाद बचाया गया, जबकि 42 लोग अब भी लापता हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि बचे हुए लोग इतने दिनों तक समुद्र में कैसे जीवित रहे।

प्रवासियों के लिए यूरोप पहुंचने का मुख्य रास्ता है लीबिया : लीबिया लंबे समय से अफ्रीका और मध्य पूर्व से युद्ध और गरीबी से भाग रहे प्रवासियों के लिए यूरोप पहुंचने का मुख्य रास्ता रहा है। लीबिया रेड क्रिसेंट ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने फेसबुक पेज पर बताया कि उसे तोब्रुक प्रशासन से एक आपातकालीन कॉल मिला था, जिसमें कंबाउट समुद्र तट से शव बरामद करने की बात कही गई थी। रेड क्रीसेंट ने कई शव बरामद किए, लेकिन यह नहीं बताया कि वे वही

19 शव थे, जो ढ्ढह्ररू की रिपोर्ट में उल्लिखित थे या अलग।

जुवारा के अधिकारियों ने कहा- उन्होंने 35 प्रवासियों को बचाया : एक अलग घटना में, पश्चिमी लीबिया के तटीय शहर जुवारा के अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पांच महिलाओं और एक बच्चे समेत 35 प्रवासियों को बचाया। जुवारा नौसेना संचालन बल के एक बयान के अनुसार, प्रवासी अबू कम्माश क्षेत्र के तट पर एक नाव पर सवार थे। यह बल पश्चिम में राजधानी त्रिपोली में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एकता सरकार का हिस्सा है।

इस महीने की शुरुआत में भी पलटी थी प्रवासी नाव लीबियाई अधिकारियों के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में भी लीबिया के तट पर एक प्रवासी नाव पलट गई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत और 22 लापता हो गए थे। तोब्रुक में तट रक्षक ने उस समय कहा था कि नाव में 32 प्रवासी सवार थे।

संघर्ष विराम की कोशिशों के बीच इस्राइल को 6 अरब डॉलर के हथियार बेचेगा यूएस, ट्रंप प्रशासन की मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। गाजा युद्ध को लेकर वैश्विक स्तर पर आलोचनाएं झेल रहे इस्राइल को अमेरिका छह अरब डॉलर के हथियार बेचने जा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इसकी अनुमति भी दे दी है। प्रशासन ने अमेरिकी कांग्रेस को इस बारे में सूचित किया है। ट्रंप प्रशासन ने बताया कि वह इस्राइल को लगभग 6 अरब डॉलर (करीब 50 हजार करोड़ रुपये) के हथियार बेचने की योजना बना रहा है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब गाजा युद्ध को लेकर इस्राइल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती आलोचना का सामना कर रहा है।

हथियारों को लेकर इस प्रस्ताव के तहत अमेरिका इस्राइल को 3.8 अरब डॉलर की कीमत के 30, ॥-64 अपाचे हेलीकॉप्टर देगा। इसके अलावा, इस सौदे में 1.9 अरब डॉलर के 3,200 पैदल सेना के लिए बख्तरबंद वाहन शामिल हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, इन हथियारों की आपूर्ति दो से तीन साल बाद या उससे भी अधिक समय में होगी। गौरतलब है कि यह सौदा ऐसे समय हो रहा है जब इस्राइल और हमास के बीच लगभग दो साल से चल रहा युद्ध हर बीतते दिन के साथ बढ़ता जा रहा है। इसे खत्म करने की अमेरिका की मध्यस्थता की कोशिशें भी ठप पड़ी हैं। हाल ही में दोहा (कतर) में हमास नेताओं पर इस्राइल के हमले के बाद मध्य-पूर्व में अमेरिकी सहयोगियों ने कड़ी निंदा की थी। इस्राइल की लगातार मदद कर रहा अमेरिका वहीं, दूसरी ओर अमेरिका अंतरराष्ट्रीय दबाव और कई डेमोक्रेट सीनेटरों की आपत्तियों के बावजूद लगातार इस्राइल को सैन्य मदद दे रहा है। इस साल इस्राइल के लिए ट्रंप प्रशासन ने अब तक करीब 12 अरब डॉलर की सैन्य सहायता को मंजूरी दी है। बीते जून में अमेरिका ने आधा अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई का सौदा किया था, जिसमें बम गाइडेंस किट शामिल थे।

कोविड के टीके लगवाने को लेकर अमेरिका में विवाद स्वास्थ्य मंत्री के सलाहकारों ने पैदा की भ्रम की स्थिति

अटलांटा , एजेंसी। अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर के नए टीका सलाहकारों ने इस बार कोविड-19 टीकाकरण को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी। उन्होंने किसी के लिए भी टीके की सिफारिश नहीं की और इसे लोगों की अपनी इच्छा पर छोड़ दिया कि वे टीका लगवाना चाहते हैं या नहीं।

अब तक ये टीके लगभग सभी अमेरिकियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाते थे, जो इसे लगवाना चाहते थे। हाल ही में अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इस साल फाइजर, मॉडर्ना और नोवावैक्स टीके पर नई सीमाएं लगा दीं और इन्हें केवल 65 साल से ऊपर के लोगों या ऐसे युवाओं के लिए सुरक्षित रखा, जिन्हें वायरस से ज्यादा खतरा है।

रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र

(सीडीसी) के सलाहकारों ने कई बार मतदान के बाद यह फैसला लिया कि वे सीधे तौर पर टीकाकरण की सिफारिश नहीं करेंगे, बल्कि लोगों को खुद फैसला लेने देंगे। सलाहकारों के इस पैनल ने यह भी सुझाव दिया कि सीडीसी को टीके से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में स्पष्ट भाषा में जानकारी देनी चाहिए। इस पर बाहरी चिकित्सा समूहों ने विरोध जताया। उनका कहना था कि टीके की सुरक्षा का रिकॉर्ड अब तक अच्छा रहा है। पैनल ने इस बात को टाल दिया कि कोविड का टीका लेने के लिए लोगों को डॉक्टर की पर्ची (प्रिस्क्रिप्शन) जरूरी होगी या नहीं। अमेरिकी बाल चिकित्सा अकादमी के डॉक्टर सीन ओलोरी ने कहा कि यह फैसला बहुत ज्यादा अस्पष्ट है और अमेरिका के बच्चों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस सुझाव में टीके पर अविश्वास फैलाने की कोशिश साफ नजर आ रही है। उन्होंने कहा, यह बहुत अजीबोगरीब बैठक थी।

मौत से बचाने में मजबूत सुरक्षा प्रदान करते हैं टीके : कोविड-19 के टीके भले ही सौ फीसदी सही नहीं हैं। लेकिन सीडीसी के आंकड़े बताते हैं कि वे गंभीर संक्रमण और मृत्यु से बचाने में सबसे मजबूत सुरक्षा प्रदान करते हैं, भले ही व्यक्ति संक्रमित हो जाए। वायरस के रूप समय-समय पर बदलते रहते हैं, इसलिए लोग एक से अधिक बार कोविड का शिकार हो सकते हैं।

केवल 44 फीसदी नागरिकों ने ली अपडेटेड खुराक : फ्लू के टीकों की तरह कोविड-19 टीकों को अब हर साल अपडेट किया जा रहा है। लेकिन सीडीसी के मुताबिक, पिछले साल केवल 44 फीसदी वरिष्ठ नागरिकों और 13 फीसदी बच्चों ने कोविड टीकों की अपडेट की हुई खुराक ली। पैनल के एक सदस्य डॉ. कोडी मैइस्नर ने कहा, अगर आप ऐसे सुझाव देते हैं, जिसे लोग मानने वाले ही नहीं, तो वह समझदारी नहीं है। डॉ. मैइस्नर डार्टमाउथ कॉलेज से हैं।

यूरेशिया ग्रुप के अध्यक्ष ने की पीएम मोदी की तारीफ बोले- अंतरराष्ट्रीय मंच पर ट्रंप को किया शर्मिंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। राजनीतिक विज्ञानी और यूरेशिया ग्रुप के अध्यक्ष इयान ब्रेमर ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद मई में भारत-पाकिस्तान तनाव बढ़ाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों को सार्वजनिक तौर से खारिज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। शुक्रवार को एक साक्षात्कार के दौरान ब्रेमर ने इसे अन्य वैश्विक नेताओं की चुप्पी के उलट पीएम मोदी का साहसिक कदम करार दिया। ब्रेमर ने कहा कि ट्रंप का रवैया था, मैं ताकतवर हूं, राष्ट्रपति हूं,मेरी बात माननी होगी, लेकिन मोदी ने, चीन और रूस की तरह उनका सामना किया। पीएम मोदी ने साफ कहा कि अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने यह कहकर ट्रंप को अंतरराष्ट्रीय मंच पर शर्मिंदा किया। ब्रेमर के मुताबिक, मोदी का यह फैसला सोचा-समझा था। इससे उन्हें घरेलू राजनीति में मजबूती मिली और उनकी अमेरिका से अलग स्वतंत्र छवि भी दिखी,जो अमेरिका के अधिकतर सहयोगी देशों में नहीं दिखती। उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का उदाहरण देते हुए कहा कि स्टार्मर ने ट्रंप की नीतियों को नापसंद करने के बावजूद उन्हें खुश करने की कोशिश की ताकि बेहतर समझौते मिल सकें। वहीं अधिकतर नेता ट्रंप की तारीफों के पुल बांधते रहे,लेकिन मोदी ने उन्हें सबके सामने चुनौती दी और घरेलू स्तर पर फायदा उठाया। हालांकि, ब्रेमर ने कहा कि देखना होगा इसका असर दोनों देशों के सुरक्षा और आर्थिक रिश्तों पर पड़ता है या नहीं।

अमेरिका-पाक रिश्तों में अनैतिक कारोबार की गंध : ब्रेमर ने कहा कि ट्रंप का पाकिस्तान से नज़दीकी बढ़ाना असल में रणनीति नहीं बल्कि कारोबार था। ट्रंप परिवार और उनके करीबी लोग पाकिस्तान के साथ पैसों के सौदों में शामिल थे। इसे उन्होंने अनैतिक और अवसरवादी बताया। ब्रेमर ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के रक्षा समझौते को अमेरिकी असफलताओं के खिलाफ एक सुरक्षा घेरा कहा। उन्होंने कहा कि इसमें परमाणु सहयोग भी शामिल हो सकता है। ब्रेमर ने बताया कि सऊदी का झुकाव पाकिस्तान की ओर तब बढ़ा जब अमेरिका ने इस्राइल को कतर पर बमबारी से रोकने या सजा देने में कुछ नहीं किया। कतर अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा रखता है और वहां हमले में एक कतरी नागरिक की मौत हुई। इससे सऊदी अरब इससे बेहद नाराज हुआ और उसने पाकिस्तान से रक्षा समझौता कर लिया। यूरेशिया ग्रुप के अध्यक्ष इयान ब्रेमर के मुताबिक,हाल ही में चीन में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ लिमोजिन में बैठना सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं था। यह अमेरिका को सीधा संदेश था, खासकर उस समय जब वॉशिंगटन भारत को रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा था।

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने टिकटॉक सौदे को मंजूरी दी, ट्रंप बोले- अब सिर्फ हस्ताक्षर होने बाकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने टिकटॉक सौदे को मंजूरी दे दी है, जिससे यह वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म अमेरिका में काम करना जारी रख सकेगा। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरी अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने टिकटॉक सौदे को मंजूरी दे दी है। हम इस सौदे के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। हमें इस पर हस्ताक्षर करने होंगे, यह एक औपचारिकता हो सकती है। टिकटॉक सौदा जल्द ही होने वाला है और निवेशक तैयारी कर रहे हैं।

अमेरिका का एप पर होगा कड़ा नियंत्रण : ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका का इस एप पर कड़ा नियंत्रण होगा। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका के लिए बहुत अच्छा सौदा है। ट्रंप ने कहा, युवा इसे चाहते हैं, उनके माता-पिता भी इसे चाहते हैं। हम चीन के साथ एक डील करने में सफल रहे। यह हमारे लिए अच्छा सौदा है और उम्मीद है उनके लिए भी अच्छा होगा। अमेरिकी निवेशक इस पर नियंत्रण रखेंगे। मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, क्योंकि वे एक सज्जन व्यक्ति हैं। हमारे बीच अच्छे संबंध हैं।

ट्रंप-जिनपिंग के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत : ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई, जिसमें उन्होंने चीनी एप टिकटॉक समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। अमेरिका ने पहले एक

कानून पारित किया था, जिसके तहत चीनी कंपनी बाइटडांस को टिकटॉक की अमेरिकी हिस्सेदारी बेचनी थी, वरना 19 जनवरी 2025 से एप पर प्रतिबंध लगना था, लेकिन ट्रंप सरकार ने अभी तक इसे लागू नहीं किया है।

बाइटडांस ने ट्रंप-जिनपिंग का किया धन्यवाद : जिनपिंग-ट्रंप की बातचीत के तुरंत बाद बाइटडांस ने एक बयान जारी किया, जिसमें कंपनी ने कहा, हम राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का धन्यवाद करते हैं। टिकटॉक अमेरिका में उपयोगकर्ताओं की सेवा जारी रखेगा और हम चीनी कानून के अनुसार आवश्यक कदम उठाएंगे।

अमेरिकी निवेशकों का 80 फीसदी होगा नियंत्रण : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समझौते के तहत अमेरिकी निवेशक टिकटॉक में 80 फीसदी हिस्सेदारी लेंगे, जबकि बाकी 20 फीसदी चीनी कंपनियों के पास रहेगी, जिनमें बाइटडांस भी शामिल है।

अमेरिका ने किया गोल्ड कार्ड योजना का शुभारंभ, अमीरों के लिए खुले रास्ते

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में स्थायी निवास के लिए गोल्ड कार्ड नाम की एक नई प्रीमियम आव्रजन (इमिग्रेशन) योजना शुरू की है। इस योजना के तहत दुनियाभर के अमीर लोगों को महंगे गोल्ड कार्ड के जरिए अमेरिका में स्थायी निवास का मौका दिया जाएगा, जिससे अमेरिकी खजाने को अरबों डॉलर की आमदनी हो सकती है। वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने शुक्रवार को इस योजना का एलान किया। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की आव्रजन नीति में एक बुनियादी बदलाव है, जिसमें अब उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो देश में बड़ा वित्तीय योगदान कर सकते हैं। गोल्ड कार्ड के लिए कितने पैसे चुकाने होंगे? गोल्ड कार्ड योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति खुद के लिए अमेरिका में स्थायी निवास चाहता है, तो उसे एक मिलियन डॉलर (करीब 8.5 करोड़ रुपये) देने होंगे। वहीं, अगर कोई कंपनी अपने कर्मचारी के लिए गोल्ड कार्ड दिलवाना चाहती है, तो उसे प्रति कर्मचारी दो मिलियन डॉलर (करीब 17 करोड़ रुपये) चुकाने होंगे। यह योजना मौजूदा ईबी-1 और ईबी-2 श्रेणियों के तहत मिलने वाले रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की जगह लेगी और इसकी शुरुआत में 80 हजार वीजा जारी किए जाएंगे। लुटनिक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, अगर आप अमेरिका के लिए एक मिलियन डॉलर का योगदान दे सकते हैं, तो आप अमेरिका के लिए असाधारण महत्व वाले व्यक्ति साबित हो सकते हैं। यह माना जाएगा कि ऐसे लोग अमेरिका के लिए बेहद कीमती

साबित होंगे। गोल्ड कार्ड धारकों को विशेषाधिकार प्राप्त स्थायी निवासी का दर्जा दिया जाएगा, जिसके तहत उन्हें अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने का पूरा अधिकार मिलेगा। साथ ही नागरिकता पाने का रास्ता भी खुल जाएगा। इसस योजना की एक महत्वपूर्ण शर्त यह है कि गोल्ड कार्ड धारकों को अपनी दुनियाभर की आय पर कर अमेरिकी सरकार को देना होगा, ठीक वैसे ही जैसे अमेरिकी नागरिक देते हैं। इसका मतलब है कि आवेदकों को अपनी वैश्विक आय पर अमेरिका में कर देना होगा, चाहे वे कहीं भी कमाई कर रहे हों। लुटनिक ने कहा, ग्रीन कार्डधारक को वैश्विक कर देना होगा और उसका कराधान अमेरिकी नागरिक या स्थायी निवासी की तरह किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह शर्त उन आवेदकों को हतोत्साहित कर सकती है, जिनके जटिल अंतरराष्ट्रीय लेन-देन हैं।

आवेदक को सख्त जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा : अमेरिका दुनिया के कुछ ही देशों में से एक है, जो अपने नागरिकों और स्थायी निवासियों से उनकी पूरी वैश्विक आय पर कर (टैक्स) लेता है। इससे कुछ अमीर आवेदकों को दोगुने कर का सामना करना पड़ सका है, जो उनके देश के अमेरिका के साथ कर समझौतों पर निर्भर करता है। आवेदकों को अमेरिका की सबसे सख्त जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसकी अतिरिक्त लागत 15 हजार डॉलर प्रति आवेदक होगी। यह जांच गृह सुरक्षा विभाग और विदेश मंत्रालय की ओर से की जाएगी। लुटनिक ने जोर देते हुए कहा, इसके लिए हम अब तक की सबसे कड़ी जांच करेंगे। इतने अधिक शुल्क का एक कारण यह भी है कि सुरक्षा जांच और भी सख्त होगी। इस योजना में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम वाले या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को शामिल नहीं किया जाएगा, जैसाकि मौजूदा ग्रीन कार्य योजना में होता है। कंपनियों के लिए अपने हर कर्मचारी पर दो मिलियन डॉलर (करीब 17 करोड़ रुपये) का निवेश एक तरह से उन्हें कंपनी में बनाए रखने की रणनीति है। अगर कोई कर्मचारी कंपनी छोड़ देता है, तो उसका गोल्ड कार्ड तब तक मान्य नहीं रहेगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)